



# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बैंगलूर और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित



**5** मैने सीखा कि टेस्ट क्रिकेट में निरंतरता ही सबकुछ है : सुधार

**6** अब नेपाल से सुलझ जाएगा सीमा विवाद

**7** मां को तकलीफ न हो इसलिए कमी जिद नहीं की : रानी मुखर्जी

## फास्ट टेक

**दुबई में सड़क हादसा, कई भारतीय कामगारों की मौत : अधिकारी**  
दुबई/भाषा। संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर में सोमवार को बीच सड़क पर अचानक ट्रक के खड़े होने से पीछे आ रही मिनीबस उससे टकरा गई। इस हादसे में कई भारतीय कामगारों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "दुबई में हुई दुखद सड़क दुर्घटना से हम बेहद दुखी हैं, जिसमें कई भारतीय कामगारों की जान चली गई।" भारतीय मिशन ने कहा कि वह हर संभव सहायता और समर्थन प्रदान करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है।

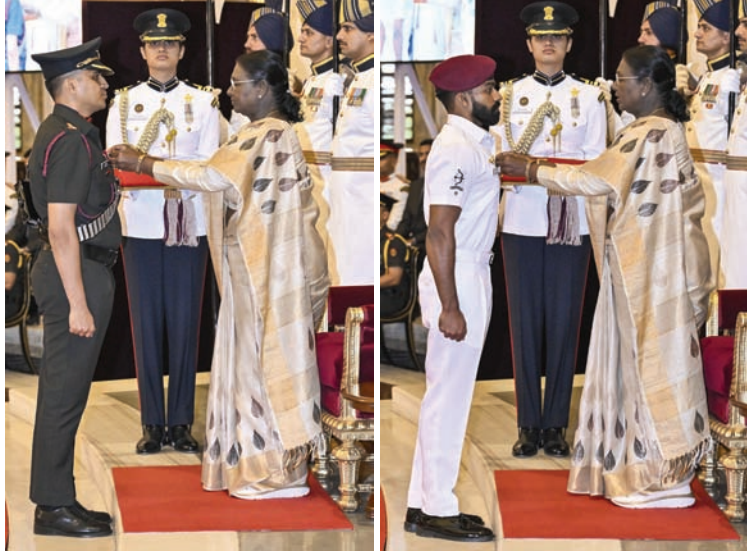
**इस्पात संयंत्र में पिघला हुआ लोहा गिरने से आठ श्रमिकों की मौत**

विशाखापत्तनम्/भाषा। विशाखापत्तनम् इस्पात संयंत्र के नाम से जाने जाने वाले राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के परिसर में सोमवार को पिघला हुआ लोहा गिरने से कम से कम आठ श्रमिकों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में छह श्रमिकों के झुलसने की भी खबर है। उन्होंने बताया कि कुछ श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए हैं और उनकी हालत बेहद नाजुक है। एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, आठ श्रमिकों की मौत हो गई और छह अन्य झुलस गए। इनमें से कुछ गंभीर रूप से झुलस गए हैं। उन्होंने कहा कि बचाव अभियान जारी है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुःख जाहिर किया। उन्होंने सभी विभागों को बचाव अभियान में आपसी तालमेल के साथ काम करने का निर्देश दिया।

**शी चिनफिंग ने किम जोंग उन को 'अटूट' समर्थन देने का वादा किया**

बीजिंग/भाषा। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सोमवार को अपने दीर्घकालिक सहयोगी उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन को 'अटूट' समर्थन का आश्वासन दिया। चिनफिंग, उत्तर कोरिया के दो दिवसीय दौरे पर हैं। चिनफिंग की ये टिप्पणियाँ ऐसे समय में आईं, जब किम ने हाल के वर्षों में रूस के साथ अपने संबंधों को और मजबूत किया है। रूस और उत्तर कोरिया के बढ़ती घनिष्ठता से माना जा रहा है कि चीन काफी असहज है। चीन के राष्ट्रपति की 2019 के बाद उत्तर कोरिया की यह पहली यात्रा है और इस वर्ष यह उनकी पहली विदेश यात्रा भी है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, शी ने किम से कहा, अंतरराष्ट्रीय स्थिति में चाहे जो भी बदलाव आए चीन और उत्तर कोरिया के बीच पारंपरिक मित्रता को अत्यधिक महत्व देने के संबंध में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और सरकार का दृढ़ रुख नहीं बदलेगा।

## कीर्ति चक्र



राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने सशस्त्र बलों के उन कर्मियों को सोमवार को सात कीर्ति चक्र प्रदान किए जिन्होंने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना अदम्य साहस, अद्वितीय वीरता और असाधारण पराक्रम दिखाया। इनमें से दो कर्मियों को पदक मरणोपरांत दिए गए। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह के प्रथम चरण के तहत मुर्मू ने रक्षा बलों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश पुलिस के कर्मियों को सात कीर्ति चक्र (जिनमें दो मरणोपरांत शामिल हैं), 15 वीर चक्र (जिनमें तीन मरणोपरांत शामिल हैं) और 29 शौर्य चक्र (जिनमें एक मरणोपरांत शामिल है) प्रदान किए।

## ईरान और इजराइल ने एक-दूसरे पर हमले किये



दुबई/एपी। इजराइल और ईरान ने एक दूसरे पर सोमवार को हवाई हमले किए। हालांकि अमेरिका के बयान के कुछ घंटों बाद ईरानी सेना ने कहा कि वह हमले रोक रही है। इन हमलों के कारण पश्चिम एशिया में फिर से व्यापक स्तर पर युद्ध छिड़ने का खतरा मंडरा रहा है। एक क्षेत्रीय अधिकारी के अनुसार अमेरिका ने ईरान से कहा है कि अगर तेहरान मिसाइल हमले रोक देता है तो इजराइल की ओर से और हमले नहीं किये जाएंगे, और यरुशलम फिलहाल हमले रोकने के लिए सहमत हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस, और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने टिप्पणी के लिए किये गए अनुरोध पर तत्काल कोई जवाब नहीं दिया। ईरान पर 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिलाकर रख दिया।

**आक्रामक अभियानों को रोक रहे हैं : ईरानी सेना**  
दुबई/एपी। ईरानी सेना की संयुक्त कमान ने सोमवार को कहा कि वह अपने आक्रामक अभियानों को रोक रही है। ईरान की ओर से यह घोषणा दो महीने पहले अमेरिका द्वारा तेहरान के साथ युद्धविराम समझौता किए जाने के बाद से पहली बार इजराइल के साथ हुए संघर्ष के बाद की गई। इजराइल-ईरान के बीच ताजा संघर्ष से पश्चिम एशिया में एक बार फिर पूर्ण युद्ध शुरू होने का खतरा पैदा हो गया था। संयुक्त कमान ने कहा कि यदि इजराइल या उसके समर्थक दक्षिणी लेबनान सहित किसी भी तरह की 'आक्रामक और शत्रुतापूर्ण कार्रवाई' करते हैं, तो 'पहले की तुलना में कहीं अधिक कठोर और दमनकारी उपाय किए जाएंगे'।

## ब्रिक्स दुनिया के विकासशील देशों की एक मजबूत आवाज : शिवराज सिंह चौहान

**ब्रिक्स बैठक में खाद्य सुरक्षा, किसान कल्याण पर होगा मंथन**  
दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com  
भोपाल/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि इंटर में मंगलवार से शुरू रही ब्रिक्स देशों की पांच दिवसीय बैठक में खाद्य सुरक्षा, स्मार्ट कृषि, वैश्विक कृषि व्यापार और किसान कल्याण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि भारत की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत नौ से 11 जून तक कृषि कार्य समूह (एपीकलचर वर्किंग ग्रुप) की बैठक और 12-13 जून को ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की बैठक होगी। ब्रिक्स एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिक्स, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया शामिल हैं। बैठक के महत्व को रेखांकित करते हुए चौहान ने कहा कि ब्रिक्स दुनिया के विकासशील देशों की एक मजबूत आवाज है। उन्होंने कहा, "दुनिया की लगभग आधी आबादी ब्रिक्स देशों में रहती है। वैश्विक कृषि भूमि का 42 प्रतिशत हिस्सा इन देशों में है और कृषि उत्पादन में भी इनकी हिस्सेदारी 42 प्रतिशत से अधिक है। दुनिया के 58 करोड़ किसानों में से 70 प्रतिशत छोटे किसान ब्रिक्स देशों में रहते हैं।" केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पांच दिवसीय बैठक में खाद्य सुरक्षा, किसान कल्याण, पोषण, जलवायु अनुकूल स्मार्ट कृषि, अंतरराष्ट्रीय कृषि व्यापार को सुगम बनाने, अपूर्ति शृंखला, डिजिटल कृषि, अनुसंधान, ज्ञान के आदान-प्रदान, कृत्रिम मेधा (एआई) और रोबोटिक्स जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों के बीच सहमति बनने के बाद एक संयुक्त घोषणा-पत्र जारी किया जाएगा। चौहान ने कहा कि भारत इससे पहले 2012, 2016 और 2021 में भी ब्रिक्स बैठकों की अध्यक्षता कर चुका है। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले महीने इंटर में संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित होने वाली यह बैठक वैश्विक कृषि क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक अवसर साबित होगी और दुनिया को नई दिशा देगी।

**उज्वला योजना में अब मिलेंगे सब्सिडी वाले सिर्फ चार सिलेंडर**  
नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने 'प्रधानमंत्री उज्वला योजना' (पीएमयूवाई) के तहत सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर की वार्षिक सीमा नौ से घटाकर चार कर दी है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सोमवार को कहा कि यह बदलाव औसत घरेलू खपत को ध्यान में रखते हुए किया गया है। वर्ष 2016 में शुरू हुई इस योजना के तहत पहले लाभार्थियों को साल में 14.2 किलोग्राम के 12 सिलेंडर सब्सिडी पर मिलते थे। हालांकि, पिछले साल सब्सिडी वाले सिलेंडर की संख्या घटाकर नौ कर गई थी, जिसे अब और भी घटाकर चार कर दिया गया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव प्रवीण मल खन्ना ने कहा कि संशोधित सीमा उज्वला लाभार्थियों की औसत वार्षिक गैस खपत के करीब है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य लाभार्थियों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए समर्थन देना है। सरकार ने मई, 2022 में उज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए प्रति सिलेंडर 200 रुपये की लक्षित सब्सिडी शुरू की थी, जिसे बाद में अक्टूबर, 2023 में बढ़ाकर 300 रुपये कर दिया गया था।

## सड़क सुरक्षा के लिए नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com  
नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि सड़क सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है और दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए नागरिकों की भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए जनता के व्यवहार में बदलाव लाना और यातायात कानूनों को लागू करना देश की सबसे बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। ऑनलाइन कैब सेवा मंच 'पैपिडो' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि भारत में हर वर्ष लगभग पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और इनमें करीब 1.80 लाख लोगों की मौत हो जाती है। उन्होंने कहा, "सड़क सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है और सड़कों पर होने वाली मौतों को कम करने के लिए नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। हमारी सबसे बड़ी समस्या लोगों के व्यवहार में बदलाव लाना और यातायात नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करना है।" भारत में 2024 में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या 2.3 प्रतिशत बढ़कर 1.77 लाख से अधिक हो गई, यानी की देश में प्रतिदिन औसतन 485 लोगों की जान सड़क हादसों में गई।

09-06-2026 सुबोदय 6:45 बजे 10-06-2026 सुबोदय 5:52 बजे

BSE 73,524.26 (-719.09) NSE 23,123.00 (-243.70)

सोना 15,619 रु. (24 केन्टर) प्रति ग्राम चांदी 254,012 रु. प्रति किलो

**मिशान मंडेला**  
दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी पत्रिका  
epaper.dakshinbharat.com

**शर्मिदा सदन**  
अंतशंट जो बोल रहा कुछ, नेता वो बकवादी है। आरोपित करता दूजे को, ज्यों वादी प्रतिवादी है। हमने ऐसों को चुन करके, करी वोट बरबादी है। शर्मिदा जो करे सदन को, ये कैसी आजादी है?

## फिलीपीन में 7.8 तीव्रता का भूकंप



**35 लोगों की मौत, सुनामी की लहरें उठीं**  
दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com  
वावाओ (फिलीपीन)/एपी। दक्षिणी फिलीपीन में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया जिसमें कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक लोग घायल हो गए। हाताहत हुए अधिकतर लोग क्षतिग्रस्त इमारतों में घायल अवस्था में मिले तथा भूकंप के कारण समुद्र में सुनामी की एक मीटर ऊंची लहरें भी उठीं। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन में कम से कम 17 लोग मारे गए और इसी के साथ इस क्षेत्र में भूकंप से मरने वालों की संख्या कम से कम 35 हो गई। 'जनरल सैंटोस' शहर में कुछ इमारतें बह गईं और प्रमुख बुनियादी ढांचे को भूकंप से नुकसान पहुंचा। वहीं, समुद्र तट से सटे एक गांव में सुनामी से नुकसान की खबर मिली। इंडोनेशिया और पलाऊ तथा दक्षिणी जापान में भी समुद्र में सुनामी की छोटी लहरें उठीं। फिलीपीन उज्जालासुखी एवं भूकंप विज्ञान संस्थान के निदेशक टेरेसिटो बाकोलकोल ने 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को बताया, "यह भीषण भूकंप था और हमें नुकसान को चेतावनी दी कि ये अपने क्षतिग्रस्त मकानों में लौटने से पहले परामर्श कर लें क्योंकि भूकंप के बाद के झटके आने का संदेह है। नागरिक सुरक्षा कार्यालय के क्षेत्रीय निदेशक रॉड सॉसमेना ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा, "हमारी पिछले ट्रक में अचानक झटका लगा और मुझे लगा कि टायर पंच हो गया है।" सॉसमेना ने बताया, "भूकंप के झटके बहुत जोरदार थे और लोग अपने अपने घरों से निकलकर सड़कों पर आ गए थे।" एक अन्य आपदा-प्रतिक्रिया अधिकारी एडनार दयागहिलिंग ने कहा, "भूकंप के झटके इतने जोरदार थे कि मैं मुश्किल से खड़ा हो पाया और वावाओ स्थित अपने घर से किसी तरह बाहर निकल पाया।" भूकंप से जनरल सैंटोस को काफी नुकसान पहुंचा है। करीब सात लाख से अधिक लोगों की आबादी वाला यह बंदरगाह शहर देश के दक्षिणी मिंडानाओ क्षेत्र में दूना (मछली) प्रसंस्करण और अन्य व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र है।

## हार्दिक श्रद्धांजलि

जन्म 08.02.1945 स्वर्गवास 07.06.2026

### श्री नन्दकिशोरजी मालू

सादा जीवन, उच्च विचार, संस्कारों के आप धनी थे। सादगी, समता, सरलता और विनय गुण भण्डारी थे। आपका श्रेष्ठ जीवन ही 'आदर्श' हैं अब हमारा। अनुसरण करेंगे जीवन भर, संकल्प लेते हैं हम सारा।

**श्रद्धावनत**

- बसंतकुमार सारड़ा
- राजगोपाल भूतड़ा
- ललित मालनी
- राजगोपाल मर्दा
- भरत जाजू
- देवकीनंदन डागा
- नंदकिशोर दरक
- निर्मल कुमार तापड़िया
- भगवानदास लाहोटी
- अजय राठी
- विनीत कुमार बियानी
- सत्यनारायण मालानी



# पंचायती राज संस्थानों के कैग ऑडिट से कामकाज में होगा सुधार: नागेश्वरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/बांधा** मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने सोमवार को कहा कि पंचायती राज संस्थाओं को मिलने वाले कोष का देश के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के लेखापरीक्षा करने से इनके कामकाज में सुधार होगा और गांवों में जीवन यापन में सुगमता आएगी।

नागेश्वरन ने यहां कहा, 'कैग लेखापरीक्षा से हमें प्रत्येक राज्य में होने वाले कार्यों के बारे में वास्तविक स्थिति का पता चलता है। इससे एक ऐसा साक्ष्य आधारित आधार बनाया जा सकता है जो वास्तव में मौजूद नहीं है और संवैधानिक उद्देश्य और प्रशासनिक वास्तविकता के बीच के अंतर के लिए जवाबदेही तय होगी।' उन्होंने पंचायती राज मंत्रालय से राज्य वित्त आयोगों के लिए आंकड़ों

से जुड़ी समिति की इस सिफारिश को सक्रियता से लागू करने का आग्रह किया।

नागेश्वरन ने यह भी कहा कि राज्यों की राजकोषीय जवाबदेही के लिए एकसमान लेखा मर्दानों को लागू करने की आवश्यकता है। इससे स्थानीय निकायों को किराए जाने वाले सभी कैड्रीय हस्तांतरण का एक समान प्रबंधन सुनिश्चित होने के साथ तुलना संभव हो सके। राज्य वित्त आयोगों के लिए आंकड़ों पर समिति की रिपोर्ट जारी किए जाने के अक्षर पर नागेश्वरन ने कहा, 'वास्तव में जो अधिकार हस्तांतरित किए गए हैं और जो वादे किए गए थे, उनका व्यवस्थित और स्वतंत्र मूल्यांकन किए बिना हम अंधेरे में तीर चला रहे हैं।' केंद्र सरकार वित्त आयोगों के माध्यम से और स्थानीय



निकाय अनुदान के जरिये राज्य सरकारों को धनराशि हस्तांतरित करती है। पंचायती राज मंत्रालय की इस रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि कैग 73वें संविधान संशोधन का प्रदर्शन ऑडिट करे, जिसने पंचायतों को संवैधानिक दर्जा दिया था। इस संशोधन में हर पांच साल में राज्य वित्त आयोगों के गठन का भी प्रावधान किया गया है। इस संशोधन में 29 कार्यों की सूची दी गई थी जिन्हें पंचायतों को हस्तांतरित किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'हमें स्वयं से यह प्रश्न अवश्य पूछना चाहिए कि संवैधानिक वादे का कितना हिस्सा वास्तव में पूरा हुआ है।' नागेश्वरन के अनुसार, राज्यों की वित्तीय स्थिति का निर्धारण करने में वित्त आयोगों के सामने एक प्रमुख चुनौती विस्तृत

राजकोषीय जानकारी का अभाव है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि स्थानीय सरकार स्तर के आंकड़ों को बनाए रखने और उसे नियमित रूप से अद्यतन करने के लिए राज्य सरकारों के भीतर स्थायी राज्य वित्त आयोग प्रकोष्ठ का गठन किया जा सकता है। इसमें कहा गया, 'आदर्श रूप से, इस प्रकोष्ठ को वित्त विभाग या योजना विभाग के अंतर्गत स्थापित किया जाना चाहिए।' रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि केंद्र सरकार राज्यों को हस्तांतरित की जाने वाली राशि का निर्धारण करती है। लेकिन ग्राम पंचायत स्तर पर संरचना की कमी के कारण कोष का प्रभावी उपयोग नहीं हो पाता है। इसमें कहा गया, 'इसलिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि राज्य सरकारों और केंद्र सरकार दोनों ही इन आंकड़ों को एकत्रित और व्यवस्थित करने के लिए तत्काल और सक्रिय कदम उठाएं। इनके प्राप्ति को मानकीकृत करें और यह सुनिश्चित करें कि वे सभी राज्य वित्त आयोगों के लिए उपलब्ध हों।'



## समकित मुनि के चातुर्मास के लिए आयोजन समिति की बैठक सम्पन्न

चातुर्मास समिति के पदाधिकारियों की घोषणा की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**बंगलूरु** यहां बंगलूरु चातुर्मास समिति-2026 के तलावधान में डॉ. समकितमुनि जी के आगामी चातुर्मास आयोजित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण सभा का आयोजन गणेश बाग स्थानक में किया गया। यह 'जीवन संजीवनी चातुर्मास-2026' बंगलूरु वीवी पुस्तक स्थित महावीर धर्मशाला में आयोजित होने जा रहा है। बैठक का संचालन, समिति के चेयरमैन रायचंद छाजेड़, प्रकाश बेताला एवं शोचक रांका के नेतृत्व में हुआ। बैठक में बंगलूरु की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। सभा में आगामी चातुर्मास की संपूर्ण रूपरेखा, व्यवस्थाओं एवं विभिन्न धार्मिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेष रूप से धार्मिक आराधनाओं, युवाओं एवं महिलाओं

के लिए आयोजित होने वाले कार्यक्रमों तथा आध्यात्मिक गतिविधियों की योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन शोचक रांका ने चातुर्मास समिति के अध्यक्ष रमेश सिसोदिया, महामंत्री जम्बुकुमार दुगड एवं कोषाध्यक्ष गुलाबचंद पगारिया के नाम की घोषणा की गई। चातुर्मास समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमेश सिसोदिया ने महिला विभाग की अध्यक्ष रसीला मरलेचा, महामंत्री पुष्पा बोहरा तथा युवा विभाग के अध्यक्ष प्रदीप कांटेड एवं मंत्री प्रदीप धोका के नामों की घोषणा की। साथ ही चातुर्मास के नेतृत्व, स्वर्ण, प्लेटिनम और डायमंड लाभार्थी सदस्यों की सूची भी घोषित की गई। बैठक में जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रॉ. प्रकाश बुख ने जैन कॉन्फ्रेंस के सभी पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्यों, महिलाओं एवं युवाओं को आध्यात्मिक कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेष रूप से धार्मिक आराधनाओं, युवाओं एवं महिलाओं

के लिए आयोजित होने वाले कार्यक्रमों तथा आध्यात्मिक गतिविधियों की योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन शोचक रांका ने चातुर्मास समिति के अध्यक्ष रमेश सिसोदिया, महामंत्री जम्बुकुमार दुगड एवं कोषाध्यक्ष गुलाबचंद पगारिया के नाम की घोषणा की गई। चातुर्मास समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमेश सिसोदिया ने महिला विभाग की अध्यक्ष रसीला मरलेचा, महामंत्री पुष्पा बोहरा तथा युवा विभाग के अध्यक्ष प्रदीप कांटेड एवं मंत्री प्रदीप धोका के नामों की घोषणा की। साथ ही चातुर्मास के नेतृत्व, स्वर्ण, प्लेटिनम और डायमंड लाभार्थी सदस्यों की सूची भी घोषित की गई। बैठक में जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रॉ. प्रकाश बुख ने जैन कॉन्फ्रेंस के सभी पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्यों, महिलाओं एवं युवाओं को आध्यात्मिक कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेष रूप से धार्मिक आराधनाओं, युवाओं एवं महिलाओं

## भारत, ब्रिटेन के बीच लंबित व्यापार मुद्दों पर बातचीत जारी: अधिकारी

**नई दिल्ली/बांधा** भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लागू करने के लिए दोनों देशों के बीच लंबित मुद्दों पर बातचीत आगे बढ़ रही है और इसमें अच्छी प्रगति हुई है। एक सरकारी अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि दोनों देशों के बीच एफटीए से संबंधित कुछ अहम मुद्दों पर चर्चा जारी है जिनमें ब्रिटेन के इस्पात सुरक्षा-उपाय और कार्बन कर व्यवस्था शामिल हैं। इन मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाने से व्यापार समझौता अभी लागू नहीं हो पाया है। दोनों देशों ने 24 जुलाई, 2025 को व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। अधिकारी ने कहा, 'इस बारे में बातचीत अच्छी चल रही है। तीन लंबित मुद्दों में से एक पर सहमति बन चुकी है, जबकि बाकी दो मुद्दों पर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को प्रस्ताव एवं सवाल दिए हैं। दोनों पक्ष समाधान निकालने की प्रक्रिया में हैं।' जब उनसे वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की लंदन यात्रा की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अगर मुद्दे सुलझ जाते हैं तो इसकी संभावना हो सकती है।



## आंध्र: मंत्री लोकेश का रूस दौरा समाप्त

तकनीक और औद्योगिक साझेदारियों की संभावना पर की चर्चा

**अमरावती/बांधा** आंध्र प्रदेश सरकार में मंत्री नारा लोकेश ने सोमवार को 'सैंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम'-2026 में कई उच्च स्तरीय बैठकों के बाद रूस की अपनी आधिकारिक यात्रा समाप्त की। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य आंध्र प्रदेश और रूस के बीच आर्थिक व तकनीकी सहयोग को मजबूत करना था। यह दौरा आंध्र प्रदेश में रूसी एल्यूमीनियम कंपनी रूसाल के निवेश पर आधारित थी। कंपनी के नेतृत्व के साथ हुई चर्चा के दौरान दोनों पक्षों ने जारी परियोजनाओं की समीक्षा की और राज्य में एक एकीकृत एल्यूमीनियम मंडल विकसित करने के अवसरों को तलाशा। राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री लोकेश ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, रूस और भारत के बीच एक दीर्घकालिक व भरोसेमंद साझेदारी है। 'सैंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम' 2026 के दौरान हमारी बैठकों ने उद्योग, प्रौद्योगिकी, स्मार्ट शहरों, गतिशीलता, कृषि मेधा और उन्नत विनिर्माण के क्षेत्र में सहयोग के नए रास्ते खोले हैं।

## हवाई टिकट महंगा होने से लोग कर सकते हैं यात्रा से परहेज : आईएटीए मुख्य अर्थशास्त्री

**रियो डी जेनेरियो/बांधा** अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) की मुख्य अर्थशास्त्री और वरिष्ठ उपाध्यक्ष भी ओवेन्स थॉमसन ने कहा है कि हवाई यात्रा के बढ़ते किराये लोगों को विमान यात्रा करने से वंचित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एयरलाइंस किराये में इस हद तक बढ़ोतरी करने की कोशिश करेगी कि वे लागत की भरपाई कर सकें। लेकिन इसका कुछ लोगों पर प्रतिकूल असर हो सकता है और वे हवाई यात्रा करने से परहेज करेंगे क्योंकि कीमतों में अंतर से उनके विकल्पों पर असर पड़ेगा। यह दिव्यगी ऐसे समय में आई है जब एयरलाइन कंपनियां पश्चिम एशिया संकट से तेल कीमतों में आई तेजी से हुए नुकसान की भरपाई के लिए हवाई किराये में बढ़ोतरी कर रही हैं। एक अनुमान के अनुसार, 2026 में विमान ईंधन की कीमतें पिछले साल की तुलना में 70 प्रतिशत अधिक होंगी। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ 370 से अधिक एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करता है।

## अग्निशमन विभाग में पूर्व अग्निवीरों की भर्ती पर विचार करें : उपराज्यपाल संघू



दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/बांधा** दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संघू ने सोमवार को दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) में कर्मचारियों की कमी को दूर करने के लिए पूर्व अग्निवीरों को भर्ती करने के विकल्प पर विचार करने को कहा। उन्होंने यह सुझाव मालवीय नगर इलाके में एक होटल में आग लगने की घटना के कुछ दिनों बाद आयोजित डीडीएमए की बैठक के दौरान दिया। इस अग्रिकांड में 22 लोगों की मौत हो गई थी। संघू ने सोमवार को आयोजित दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, गृह मंत्री आशीष सूड, लोक निर्माण (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और दिल्ली सरकार के शीर्ष पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। बैठक में डीएफएस और नागरिक निगरानी तंत्र को मजबूत करने के साथ-साथ रिक्त पदों को भरने पर भी चर्चा हुई।

## धारावी परियोजना में सिंगापुर और हांगकांग के आवास विकास मॉडल को अपनाया जाएगा : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**मुंबई/बांधा** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि धारावी पुनर्विकास परियोजना को सिंगापुर और हांगकांग के आधुनिक आवास विकास की तर्ज पर लागू किया जाएगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, परियोजना के पहले चरण को मार्च 2028 तक पूरा करने और सौंपने का लक्ष्य रखा गया है। फडणवीस ने इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय निवासियों के हितों, आजीविका और उनकी अनूठी पहचान को बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है। यह परियोजना एक बड़े पैमाने की शहरी नवीनीकरण पहल है, जिसका उद्देश्य मध्य मुंबई में स्थित इस झुग्गी बस्ती को एक आधुनिक एवं एकीकृत टाउनशिप में बदलना



है। इस परियोजना को राज्य सरकार द्वारा अदानी समूह के साथ साझेदारी में लागू किया जा रहा है। यहां एक बैठक में परियोजना की समीक्षा करते हुए फडणवीस ने कहा कि यह पुनर्विकास पहल धारावी के निवासियों का समग्र विकास करेगी। उन्होंने कहा, धारावी पुनर्विकास परियोजना केवल इमारतों के निर्माण के बारे में नहीं है। यह धारावी के निवासियों के समग्र विकास की एक पहल है, और वहां रहने वाले लोग ही इस परियोजना के केंद्र में होने चाहिए। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि धारावी के औद्योगिक और सामाजिक ताने-बाने को संरक्षित किया जाना चाहिए तथा भले ही व्यावसायिक विकास इस परियोजना का हिस्सा है लेकिन जन कल्याण को इसमें सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

## 'इंडि' गठबंधन : नेताओं ने बड़ा दिल दिखाते और एकजुट होकर भाजपा को चुनौती देने का सुझाव दिया



दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/बांधा** विपक्षी गठबंधन 'इंडि' की बैठक में शामिल कई नेताओं ने पुराने गिले-शिकवे भूलकर, बड़ा दिल दिखाते हुए और एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा मोदी सरकार को चुनौती देने का सुझाव दिया। सूत्रों ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने इस बात की जोरदार पैरवी की कि गठबंधन में शामिल दलों को एक दूसरे की आलोचना करने से बचना चाहिए। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद इस गठबंधन को लेकर उनके रुख में बड़ा बदलाव आया है। बैठक में ममता और कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख नेता सोनिया गांधी के बीच गर्मजोशी भरी मुलाकात भी हुई। सूत्रों ने बताया कि बैठक औपचारिक रूप से शुरू होने से पहले ममता ने सोनिया गांधी से करीब 10 मिनट लंबी बातचीत की। कांग्रेस ने दोनों नेताओं की एक-दूसरे को गले लगाते हुए तस्वीर भी अपने सोशल मीडिया मंच पर साझा की।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने तर्क दिया कि यदि विपक्षी दलों को भाजपा और मोदी सरकार को सफलतापूर्वक चुनौती देनी है तो उनके बीच आपसी विश्वास और एकजुटता आवश्यक होगी। बैठक में शामिल एक नेता ने बताया, 'राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस और 'इंडि' के अन्य घटक एक तरफ हैं और दूसरी तरफ भाजपा-आरएसएस है। उन्होंने नागरिक समाज आंदोलनों के साथ अधिक जुड़ाव का भी आह्वान किया और आवश्यकता पड़ने पर गठबंधन के

संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने में योगदान देने की इच्छा का संकेत दिया। राहुल गांधी के बगल में बैठे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी गठबंधन के भीतर किसी तरह की कड़वाहट नहीं होने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सूत्रों के अनुसार, यादव ने कहा कि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को 'बड़ा दिल दिखाना चाहिए' और अलग-अलग राज्यों में भाजपा के विरुद्ध खड़े सबसे मजबूत दल का समर्थन करना चाहिए।

पश्चिम बंगाल का जिक्र करते हुए अखिलेश यादव ने तर्क दिया कि जो लोग मानते हैं कि ममता बनर्जी हार गई हैं, वे गलत हैं, बल्कि सच यह है कि संस्थागत कारणों ने इस परिणाम में भूमिका निभाई। लगभग ड्राई चेंटे चली बैठक में शामिल एक सांसद ने बताया, 'ममता बनर्जी ने कहा कि उन्हें 90 फीसदी यकीन है कि उनका चुनाव लड़ लिया गया है। अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव ने कहा कि वे 40 फीसदी आश्चर्य हैं। राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें 100 फीसदी यकीन है कि हाल के चुनावों में जनदेश चोरी हुआ है।' राजद नेता तेजस्वी यादव ने तर्क दिया कि विपक्ष को तत्काल चुनावी मुकामलों से आगे बढ़कर 2029 के लोकसभा चुनाव के लिए व्यवस्थित रूप से तैयारी शुरू करने की जरूरत है। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने कहा कि गठबंधन को जमीन पर सक्रिय रहना चाहिए और भाजपा के खिलाफ निरंतर अभियान चलाना चाहिए। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए शिवसेना (उत्तरा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गठबंधन सहयोगियों के बीच निरंतर बैठकों का प्रस्ताव रखा और तर्क दिया कि हाल के चुनावों से मुख्य सबक यह है कि बेहतर समन्वय की जरूरत है।

## 'मद्व' योजना से भारी निवेश आकर्षित करने, रोजगार सृजित करने में मदद मिलेगी : गौयल

**नई दिल्ली/बांधा** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गौयल ने सोमवार को कहा कि 33,660 करोड़ रुपये की 'भारत औद्योगिक विकास योजना' (भद्व) के तहत विकसित किए जाने वाले 100 औद्योगिक पार्क निवेश को बढ़ावा देने, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करने और आधुनिक सामाजिक अवसंरचना उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 18 मार्च को देशभर में 100 परिचालन के लिए तैयार औद्योगिक पार्क विकसित करने के लिए इस योजना को मंजूरी दी थी। वे ऐसे औद्योगिक पार्क होंगे जहां सारी जरूरतें सुविधाएं पहले से तैयार हों और कंपनी अपना काम फौरन शुरू कर सके। योजना का उद्देश्य विश्वस्तरीय औद्योगिक अवसंरचना विकसित करना, विनिर्माण क्षमता को बढ़ावा देना और देश की आर्थिक वृद्धि को गति देना है। गौयल ने यहां योजना को लागू करने के लिए एक पोर्टल की शुरुआत करते हुए कहा, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह योजना काफी रफि देखने को मिल रही है और मेरा मानना है कि सरकार द्वारा इन 100 औद्योगिक पार्क के लिए आवंटित 34,000 करोड़ रुपये की राशि से बड़े पैमाने पर निवेश को बढ़ावा मिलेगा, महत्वपूर्ण रोजगार सृजित होंगे।

आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि धारावी के औद्योगिक और सामाजिक ताने-बाने को संरक्षित किया जाना चाहिए तथा भले ही व्यावसायिक विकास इस परियोजना का हिस्सा है लेकिन जन कल्याण को इसमें सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि धारावी के औद्योगिक और सामाजिक ताने-बाने को संरक्षित किया जाना चाहिए तथा भले ही व्यावसायिक विकास इस परियोजना का हिस्सा है लेकिन जन कल्याण को इसमें सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

## नशे की गिरफ्त में आए युवा अपराधी नहीं, पीड़ित हैं : सुक्खू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**शिमला/बांधा** हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को कहा कि नशे की लत का शिकार होने वाले युवा अपराधी नहीं हैं और राज्य सरकार उनके उपचार एवं पुनर्वास के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। सुक्खू ने यहां महिलाओं के लिए राज्य के पहले नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश में मादक पदार्थों के सेवन, विशेषकर 'चिट्टा' (हेरोइन) की तस्करी में संलग्न लोगों के बचते प्रचलन को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि यह एक गंभीर सामाजिक, पारिवारिक और

## स्वास्थ्य, पर्यावरण के लिए तो रामबाण औषधि है सनातन संस्कृति : राष्ट्रसंत कमलमुनि



दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**बंगलूरु** शहर के श्रीरामपुरम स्थित जैन स्थानक में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने सोमवार को अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि विश्व की सबसे प्राचीन सनातन संस्कृति का उद्भव ऋषियों के आध्यात्मिक ज्ञान के सहारे हुआ है। सनातन संस्कृति शाश्वत है, देश की आर्थिक वृद्धि को गति देना है। गौयल ने यहां योजना को लागू करने के लिए एक पोर्टल की शुरुआत करते हुए कहा, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह योजना काफी रफि देखने को मिल रही है और मेरा मानना है कि सरकार द्वारा इन 100 औद्योगिक पार्क के लिए आवंटित 34,000 करोड़ रुपये की राशि से बड़े पैमाने पर निवेश को बढ़ावा मिलेगा, महत्वपूर्ण रोजगार सृजित होंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

राष्ट्रीय कर्तव्य का बोध भी कराती है। स्वास्थ्य, पर्यावरण के लिए तो रामबाण औषधि है सनातन संस्कृति। सनातन संस्कृति में सनातन, स्वाभिमान, सहअस्तित्व, प्राणी मात्र के मंगल उत्थान की कामना की गई है। विश्व बंधुत्व की भावना से ही विश्व शांति स्थापित होगी हृथियारों से नहीं। संतश्री ने कहा कि सनातन को

राष्ट्रीय कर्तव्य का बोध भी कराती है। स्वास्थ्य, पर्यावरण के लिए तो रामबाण औषधि है सनातन संस्कृति। सनातन संस्कृति में सनातन, स्वाभिमान, सहअस्तित्व, प्राणी मात्र के मंगल उत्थान की कामना की गई है। विश्व बंधुत्व की भावना से ही विश्व शांति स्थापित होगी हृथियारों से नहीं। संतश्री ने कहा कि सनातन को

राष्ट्रीय कर्तव्य का बोध भी कराती है। स्वास्थ्य, पर्यावरण के लिए तो रामबाण औषधि है सनातन संस्कृति। सनातन संस्कृति में सनातन, स्वाभिमान, सहअस्तित्व, प्राणी मात्र के मंगल उत्थान की कामना की गई है। विश्व बंधुत्व की भावना से ही विश्व शांति स्थापित होगी हृथियारों से नहीं। संतश्री ने कहा कि सनातन को

राष्ट्रीय कर्तव्य का बोध भी कराती है। स्वास्थ्य, पर्यावरण के लिए तो रामबाण औषधि है सनातन संस्कृति। सनातन संस्कृति में सनातन, स्वाभिमान, सहअस्तित्व, प्राणी मात्र के मंगल उत्थान की कामना की गई है। विश्व बंधुत्व की भावना से ही विश्व शांति स्थापित होगी हृथियारों से नहीं। संतश्री ने कहा कि सनातन को

राष्ट्रीय कर्तव्य का बोध भी कराती है। स्वास्थ्य, पर्यावरण के लिए तो रामबाण औषधि है सनातन संस्कृति। सनातन संस्कृति में सनातन, स्वाभिमान, सहअस्तित्व, प्राणी मात्र के मंगल उत्थान की कामना की गई है। विश्व बंधुत्व की भावना से ही विश्व शांति स्थापित होगी हृथियारों से नहीं। संतश्री ने कहा कि सनातन को

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## कांग्रेस ने भाजपा पर देवेगौड़ा को राज्यसभा उम्मीदवार बनाने से इनकार करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बंगलूरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ दल कांग्रेस ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि उसने जद(एस) के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा को राज्य से लगातार दूसरी बार राज्यसभा भेजने से इनकार कर दिया। कांग्रेस ने यह भी दावा किया कि देवेगौड़ा को राज्यसभा उम्मीदवार बनाने से इनकार कर भाजपा ने कर्नाटक की जनता का अपमान किया है। रविवार देर रात भाजपा ने प्रोफेसर एम नागराज को राज्यसभा चुनाव के लिए कर्नाटक से अपना उम्मीदवार घोषित किया। विधानसभा में अपनी मौजूदा संख्या के आधार पर पार्टी कर्नाटक की चार सीटों में से एक सीट जीत सकती है। यह चुनाव 18 जून को चुनाव होगा है। कर्नाटक से देवेगौड़ा समेत राज्यसभा के चार सदस्यों का इस महीने के अंत में कार्यकाल समाप्त होने के कारण यह चुनाव कराने की जरूरत पड़ी है। खबरों के मुताबिक, भाजपा की सहयोगी पार्टी जनता दल (एस) को उम्मीद थी कि भाजपा उसके

वरिष्ठ नेता को फिर से राज्यसभा भेजेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और प्रदेश प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "कल भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा को राज्यसभा भेजने से इनकार कर दिया और पूर्व प्रधानमंत्री के बजाय एम नागराज को चुना।" उन्होंने कहा, "भाजपा और उसके नेतृत्व द्वारा जद(एस) का लगातार किया जा रहा अपमान और महज मंत्री बने रहने के लिए एच डी कुमारस्वामी का बार-बार इसे स्वीकार करना बेहद चौंका देने वाला है।" कुमारस्वामी, देवेगौड़ा के पुत्र और केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री हैं। सुरजेवाला ने उल्लेख किया कि मई 2019 के आम चुनावों में भाजपा के जी.एस. बसवराजू ने तुमकुरु लोकसभा सीट पर देवेगौड़ा को हराया था, लेकिन कांग्रेस पार्टी और उसकी नेता सोनिया गांधी ने राजनीतिक मतभेदों के बावजूद पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा की प्रतिष्ठा का सम्मान करते हुए, उनके उच्च सदन में चुने जाने के लिए समर्थन दिया था। उन्होंने कहा, "दरअसल, देवेगौड़ा ने पहले भी भाजपा के प्रति अपने कड़े विरोध को दोहराया था और यहां तक कि सार्वजनिक रूप से यह भी कहा था कि अगर कुमारस्वामी

भाजपा से हाथ मिलाते हैं तो वह उनका साथ छोड़ देंगे।" इन सभी दावों के बावजूद, अक्टूबर 2023 में जद(एस) और कुमारस्वामी ने भाजपा के साथ गठबंधन किया और कुमारस्वामी, मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री बने। सुरजेवाला ने कहा कि अब भाजपा ने देवेगौड़ा को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाने से इनकार कर दिया है और पूर्व प्रधानमंत्री के बजाय कुमारस्वामी को चुना है। उन्होंने कहा, "इससे पता चलता है कि कर्नाटक में जद(एस) का एकमात्र मकसद किसी भी कीमत पर सत्ता हासिल करना है।" प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद ने कहा कि भाजपा द्वारा देवेगौड़ा को राज्यसभा सीट देने से इनकार करना न केवल उनका और क्षेत्रीय पार्टी का, बल्कि कर्नाटक की जनता का भी अपमान है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "भाजपा और राजग ने कर्नाटक की जनता का अपमान किया है। संसद में विभिन्न विधेयकों को पारित कराने के लिए जद(एस) और देवेगौड़ा का समर्थन लेने के बाद उनके साथ इस तरह का विश्वासघात किये जाने की उम्मीद किसी को नहीं थी। आने वाले दिनों में जनता भाजपा को इसका सबक सिखाएगी।"

राज्य के गृह मंत्री प्रियंका खरगे ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा और जद(एस) किसे टिकट देते हैं, इससे कांग्रेस का कोई लेना-देना नहीं है, क्योंकि यह उनकी पार्टी की नीति है। उन्होंने कहा, "लेकिन एक बात समझनी चाहिए - दोनों पार्टियों का गठबंधन मजबूत स्थिति में नहीं है।" कर्नाटक से राज्यसभा की चार सीटों पर चुनाव होने जा रहा है क्योंकि भाजपा के इन्फ्रा कंडाडी और नारायण कोरगुप्पा, कांग्रेस के मलिकार्जुन खरगे तथा जद(एस) नेता देवेगौड़ा का कार्यकाल 25 जून को समाप्त हो रहा है। विधानसभा में अपने संख्याबल के आधार पर कांग्रेस तीन सीटों पर जीत हासिल कर सकती है और उसने एक बार फिर मलिकार्जुन खरगे को उम्मीदवार बनाया है। उसने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी सचिव मंसूर अली खान और पार्टी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा को भी उम्मीदवार बनाया है। राज्य की 224 सदस्यीय विधानसभा में सत्तारूढ़ पार्टी के 135 विधायक हैं, जबकि भाजपा के 62 विधायक हैं। जद(एस) के 18 विधायक हैं।



राज्यसभा चुनाव के लिए एम. नागराज ने भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर लेजरस्टेडिय असेंबली सेक्रेटरी और रिटर्निंग ऑफिसर एम.के. विशालाक्षी को अपना नामांकन देते हुए।

## भाजपा ने राज्यसभा के लिए पार्टी कार्यकर्ता को उम्मीदवार बनाया, देवेगौड़ा पर कोई चर्चा नहीं हुई : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीरुप्पा ने सोमवार को कहा कि पार्टी ने राज्यसभा चुनाव के लिए एक ऐसे आम कार्यकर्ता को उम्मीदवार बनाया है जिसने ईमानदारी से संगठन की सेवा की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्व प्रधानमंत्री एवं जनता दल(एस) प्रमुख एच डी देवेगौड़ा के नामांकन पर राज्य इकाई स्तर पर कोई चर्चा नहीं हुई। यह सफाई उस आलोचना के बीच आई जब सत्तारूढ़ कांग्रेस समेत कई दलों ने भाजपा पर देवेगौड़ा को राज्यसभा का टिकट न देने का आरोप लगाया। देवेगौड़ा ने हाल में 94 वर्ष की आयु पूरी की। रविवार देर रात भाजपा ने कर्नाटक से प्रो. एम. नागराज को अपना राज्यसभा उम्मीदवार घोषित किया। भाजपा, 18 जून के लिए निर्धारित इस चुनाव में विधानसभा में अपनी मौजूदा संख्या बल के आधार पर चार में से एक सीट जीत सकती है।

निर्दलीय लड़ा, तो भाजपा ने उम्मीदवार बनाया है। हमारे समर्थन से वह बड़े अंतर से जीतीं और हमें इस पर गर्व है। 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने गठबंधन साझेदार जद(एस) के एच डी कुमारस्वामी के लिए सीट भी छोड़ी- इससे कोई इंकार नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा, यहां बात खत्म नहीं हुई। नेतृत्व आने वाले दिनों में उन्हें किसी उचित पद के लिए जरूर विचार करेगा। राज्यसभा उम्मीदवार नागराज के साथ-साथ भाजपा ने रविवार रात कर्नाटक विधान परिषद चुनाव के लिए विंगरज पाटिल और रघु कौटिल्य को भी उम्मीदवार घोषित किया। राज्यसभा और विधान परिषद दोनों चुनावों में कर्नाटक विधानसभा के सदस्य मतदान करेंगे। एक सवाल के जवाब में विजयेंद्र ने कांग्रेस सरकार पर कथित विकास के अभाव और आंतरिक कलह को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नए मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के नेतृत्व में अगले दो साल आपसी खींचतान को संतुलित करने में ही बीत जाएंगे।



## सब मिलकर चलें; 2028 में पार्टी को सत्ता में लाएं : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से आपसी मीठी भावनाएं व्यक्त कीं और कहा कि सभी को साथ मिलकर चलना होगा और हर कार्यकर्ता का एकमात्र लक्ष्य 2028 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को दोबारा सत्ता में लाना होगा। मुख्यमंत्री सोमवार को कुमारा पार्क स्थित सरकारी गैरेंट हाउस में बोल रहे थे। यहाँ हंसूरु कांग्रेस के नेताओं

और कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक मंजूनाथ और मैसूर के वरिष्ठ नेता व प्रवक्ता लक्ष्मण की अगुवाई में उनसे मुलाकात की और उन्हें मुख्यमंत्री पद की बधाई दी। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि बीती बातें, नफरत, जलन और बदले की भावना को पूरी तरह भूल जाएं। कभी-कभी गलत जानकारी या अलग राय के कारण दूरियां आ जाती हैं, लेकिन हमें इन सब से ऊपर उठकर अपने भविष्य के लक्ष्य को याद रखना होगा। भावुक होते हुए मुख्यमंत्री ने अपनी सफलता का श्रेय जमीनी कार्यकर्ताओं को दिया। उन्होंने कहा, आज मुझे जो मुख्यमंत्री का

पद मिला है, वह मेरा व्यक्तिगत नहीं है। यह आपका है और राज्य की जनता का है। अगर आप (कार्यकर्ता) नहीं हैं, तो मेरा कोई अस्तित्व नहीं है। आपकी कड़ी मेहनत, प्यार, विश्वास और संघर्ष की बदौलत ही मैं आज इस मुकाम पर पहुंचा हूँ। मैं आपके इस सहयोग को कभी नहीं भूलूंगा। संबोधन के अंत में उन्होंने कार्यकर्ताओं को सतर्क रहने की चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा, अब किसी भी परिस्थिति में मुझे मत छोड़ना। अपने गोट को 'सर' की किसी भी राजनीतिक साजिश का शिकार मत बनने देना। सावधान रहें और अपने वोटों की रक्षा करें।

## मुझे तो यह भी नहीं पता एलआईसी का दफतर कहाँ है, खुदरा शेयरधारकों को लाभ ही होगा : राजेश एक्सपोर्ट्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बंगलूरु। राजेश एक्सपोर्ट्स के शेयरमैन राजेश मेहता ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के निवेश निर्णयों से खुद को अलग कर लिया है। उन्होंने कहा कि स्थिति चाहे जो भी हो, आम खुदरा शेयरधारकों को लाभ ही होगा। कंपनी पर नियामकीय दबाव और समस्याओं में छिपी स्वर्ण आभूषण कंपनी में एलआईसी के निवेश को लेकर चिंताओं के बीच उन्होंने यह बात कही। मेहता ने पीटीआई-भासा से बातचीत में कहा, "एलआईसी ने ये शेयर कल या पिछले साल नहीं खरीदे हैं। एलआईसी की ये खरीदारी लगभग 20 वर्ष की अवधि में हुई है। एलआईसी ने ये शेयर खूले बाजार से, शेयर बाजार से खरीदे हैं।" वर्तमान में, एलआईसी की राजेश एक्सपोर्ट्स में 10.80 प्रतिशत हिस्सेदारी है। मेहता ने स्पष्ट रूप से कहा कि एलआईसी द्वारा शेयरों के अधिग्रहण में न तो उनकी और न ही अन्य प्रवर्तकों की कोई भूमिका थी। उन्होंने कहा, "किसी भी प्रवर्तक ने कभी भी अपने शेयर एलआईसी को नहीं बेचे हैं। कंपनी ने कभी भी एलआईसी को कोई शेयर जारी नहीं किए हैं। एलआईसी द्वारा शेयरों की खरीद से कंपनी या

प्रवर्तकों को किसी भी तरह का लाभ नहीं हुआ है।" मेहता ने कहा कि कंपनी का एलआईसी के निवेश निर्णयों से कोई संबंध नहीं है और न ही उसे इसकी कोई जानकारी है। उन्होंने कहा, "हमें तो यह भी नहीं पता कि एलआईसी का कार्यालय कहाँ है। हमारा उनसे कोई संपर्क नहीं है, कोई संबंध नहीं है। द्वितीयक बाजार के माध्यम से शेयर खरीदने का यह निर्णय उनका अपना सूझ-बूझ से लिया गया व्यावसायिक निर्णय है।" राजेश एक्सपोर्ट्स के शेयर में भारी गिरावट के बावजूद, मेहता ने अपने आकलन के आधार पर भरोसा जताया कि एलआईसी को अभी तक नुकसान नहीं हुआ है। राजेश एक्सपोर्ट्स लि. के शेयर तीन जून से 14 प्रतिशत से अधिक टूट चुके हैं। सोमवार को यह 94.50 रुपये के नए निचले स्तर पर पहुंच गया उन्होंने कहा, "आज भी, इस गिरावट के बावजूद मेरी समझ के अनुसार, एलआईसी को अभी तक नुकसान नहीं हुआ है..." मेहता ने कहा, "अगर एलआईसी को नुकसान हुआ भी है, तो इसका एवज में लाभ किसे हुआ है? अगर किसी को नुकसान होता है, तो किसी को लाभ भी होता है। लाभ किसे हुआ है? यह आम भारतीय जनता है।" उन्होंने कहा, "एलआईसी ने आम भारतीय जनता से शेयर लिए हैं, जिन्हें इसका फायदा हुआ है।



## भाजपा ने दाखिल किए राज्यसभा और विधानपरिषद के लिए नामांकन

बंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां चुनाव विधानसभा से राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार पीएम नागराज और विधान परिषद सीटों के लिए पार्टी उम्मीदवार लिंगराज पाटिल और रघु कौटिल्य ने सोमवार को विधान सभा में अपना नामांकन दाखिल किया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीरुप्पा, केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य और पूर्व

मुख्यमंत्री बीएस येडीरुप्पा, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथथारायण, राज्यसभा सदस्य लहर सिंह, विधान परिषद में विपक्ष के चीफ व्हीप दोड्डानगौड़ा जी. पाटिल, विधान परिषद में विपक्ष के चीफ व्हीप एन. रविकुमार और अन्य लोग मौजूद थे और उन्होंने उम्मीदवारों को शुभकामनाएं दीं।

## बैकॉक से आया यात्री बंगलूरु हवाई अड्डे पर 3.57 करोड़ रुपये के हाइड्रोपोनिक गांजे के साथ पकड़ा गया

बंगलूरु। बैकॉक से यहां के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे एक यात्री को 3.57 करोड़ रुपये के हाइड्रोपोनिक गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यात्री को पांच जून को सीमा शुल्क अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर रोक लिया था। बंगलूरु सीमा शुल्क विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि यात्री ने चेक-इन बगैज में 10.20 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा छिपाकर रखा हुआ था, जिसकी कीमत 3.57 करोड़ रुपये है। यात्री से हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त कर लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, चार जून को हुई एक अन्य घटना में, बैकॉक से आए एक यात्री को केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल दो पर सामान में छिपाकर रखे गए 6.66 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा के साथ पकड़ा गया, जिसकी कीमत 2.33 करोड़ रुपये थी। उन्होंने बताया कि दोनों ही मामलों में आरोपियों को स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है, और आरोपियों की पहचान उजागर नहीं की गई है।

## गैस गीजर लीक होने की संदिग्ध घटना में महिला की मौत

कोडगु। कर्नाटक के कोडगु जिले में सप्ताहांत की छुट्टियां बिताने आई 27 वर्षीय एक महिला की पर्यटकों के ठहरने के लिए उपलब्ध एक निजी आवास (होमस्टे) में संभवतः गैस गीजर लीक होने के कारण मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान विनुता के रूप में हुई है। वह मैसूर की रहने वाली थी और बंगलूरु की एक निजी कंपनी में कार्यरत थी। पुलिस के अनुसार, यह घटना रविवार को कालकंदरु इलाके के एक आवास में हुई, जहां वह कोडगु की दो दिवसीय यात्रा के दौरान अपने सहयोगियों के साथ ठहरी हुई थी। पुलिस ने बताया कि विनुता नहाने के लिए गई थी

और बाद में स्नानघर के भीतर बेहोश पाई गई। घटना का पता तब चला जब काफी देर तक स्नानघर से बाहर न आने पर विनुता के साथियों ने उसकी सुध ली। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस संबंध में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का हवाला देते हुए अधिकारी ने बताया कि विनुता की मौत गैस गीजर से कथित तौर पर लीक हुई कार्बन मोनोऑक्साइड गैस के सांस के जरिए शरीर में जाने से दम घुटने के कारण हुई। अधिकारी ने कहा कि स्नानघर में हवा की आवाजाही की उचित व्यवस्था नहीं थी।



## ईएसआईसी की साइकिल रैली

बंगलूरु/दक्षिण भारत। 'फिट इंडिया मूवमेंट' के अंतर्गत और 'विश्व साइकिल दिवस' के अवसर पर मैसूर रोड स्थित ज्ञान भारतीय कॉम्प्लेक्स के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) प्रशिक्षण परिसर में एक भव्य साइकिल रैली का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस आयोजन में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के साथ-साथ केंद्र सरकार के अन्य कार्यालयों के अधिकारियों/कर्मचारियों और

विभिन्न साइकिल क्लबों के प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह और ऊर्जा के साथ भाग लिया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य जनमानस में स्वस्थ जीवनशैली, शारीरिक फिटनेस तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति घेतना को बढ़ाना था। विशेष कार्यक्रम का समन्वयन एवं पर्यवेक्षण करारि निगम मेडिकल कॉलेज, पीजीआईएमएसआर एवं मॉडल अस्पताल के उपनिदेशक रामराज मीणा द्वारा नामित नोडल अधिकारी के रूप में किया गया। उनकी कुशल निगरानी, देखरेख और मार्गदर्शन में पूरे कार्यक्रम का सफल व सुचारु संचालन सुनिश्चित किया गया। रैली के दौरान सभी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन का परिचय दिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, पर्यावरण को बचाने और 'फिट इंडिया अभियान' के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का दृढ़ संकल्प भी लिया।

## मुलाकात



बंगलूरु में सोमवार को क्रेडिट कर्नाटक के पदाधिकारियों ने विधानसभा में हुई एक बैठक में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को बधाई दी। बंगलूरु क्रेडिट के अध्यक्ष जैद नोमान, सचिव निश्चय जयशंकर, मंटर इफ्रान रजाक, सलाहकार शंकर शास्त्री और अन्य लोग मौजूद थे।

## प्रयागराज और हब्बल्ली के बीच स्पेशल ट्रेन

बंगलूरु। उत्तर मध्य रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए प्रयागराज और एसएसएस हब्बल्ली के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। ट्रेन नंबर 04113 प्रयागराज-एसएसएस हब्बल्ली स्पेशल, प्रयागराज से शनिवार 13, 20, 27 जून और 4 व 11 जुलाई को सुबह 05:05 बजे रवाना होगी और अगले सोमवार को दोपहर 15:10 बजे एसएसएस हब्बल्ली पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन नंबर 04114 एसएसएस हब्बल्ली-प्रयागराज स्पेशल, एसएसएस हब्बल्ली से मंगलवार 9, 16, 23, 30 जून और 7 व 14 जुलाई को सुबह 09:00 बजे रवाना होगी और अगले गुरुवार को रात

22:40 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। रास्ते में, यह स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा, थिंड, सोनी, मालियर, शिवपुरी, गुना, बीना, भोपाल, नागपुर, बन्धाराशहा, सिरपुर कांजिनगर, मंचरियल, काजीपेट, काचेगुडा, महबूबनगर, गडवाल, कुरनूल सिटी, धोणे, अनंतपुर, धर्मवरम, हिसपुर, यरहना, तुमकुरु, अरिकेरे, दावणगेरे और एसएसएस हावेरी स्टेशनों पर रुकेगी। इस स्पेशल ट्रेन में कुल 22 कोच होंगे, जिनमें 3 एसी थ्री टियर कोच, 9 स्लीपर कोच, 8 जनरल सेकंड कोच, 2 स्लीपर कोच और 2 सेकंड कोच लगेज-कम-ब्रेक वैन/दिव्यांग-अनुकूल डिब्बे शामिल होंगे।

## मैसूरु में घर में मृत पाई गई महिला, परिवार ने लगाया हत्या का आरोप

मैसूरु। कर्नाटक के मैसूरु में सोमवार को 30 वर्षीय एक विवाहित महिला का शव फंदे से लटका हुआ मिला। पुलिस के अनुसार, महिला के माता-पिता ने आरोप लगाया है कि वैवाहिक विवाद के चलते उसकी हत्या की गई है। पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान संध्या के रूप में हुई है। संध्या का शव स्थानीय सरस्वतीपुरम में जावरेगौड़ा पार्क के पास उसके घर से बरामद किया गया। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक, संध्या की शादी अक्षय से हुई थी और उनके दो बच्चे हैं। शादी के कुछ महीनों बाद ही दोनों के बीच अक्सर झगड़े होने लगे थे। पुलिस ने बताया कि संध्या का शव छत के पंखे से लटका हुआ पाया गया। संध्या के माता-पिता का आरोप है कि पति और ससुराल वालों द्वारा उसे मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था और उन्होंने दावा किया कि उसकी हत्या की गई है। संध्या की मां गीता निगराजू ने आरोप लगाया कि उनके दामाद ने उनकी बेटी की हत्या की और बाद में शव को फंदे से लटका दिया। गीता निगराजू ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने शादी में अच्छा-खरास देहज और आधा किलोग्राम सोना दिया था तथा धूमधाम से शादी की थी। शादी के कुछ महीनों बाद ही उनके बीच विवाद शुरू हो गया। मेरी बेटी को उसके पति, सास और ससुर द्वारा प्रताड़ित किया जाता था। वह सब कुछ बर्दाश्त करती रही और वहीं रहती रही, क्योंकि उसे डर था कि मायके लौटने से परिवार की बदनामी होगी। निगराजू ने बताया कि उन्हें फोन पर सूचना मिली थी कि उनकी बेटी ने आत्महत्या कर ली है। अपनी बेटी के लिए न्याय की मांग करते हुए संध्या की मां ने दायित्वों के खिलाफ सख्त सजा की मांग की है। संध्या की एक रिश्तेदार मंजूला ने भी आरोप लगाया कि दंपति के बीच अक्सर झगड़े होते थे और उनके बीच के विवादों को सुलझाने के लिए परिवार के बुजुर्गों ने कई बार हस्तक्षेप भी किया था।

**रेल पहिया कारखाना**  
बंगलूरु, बंगलूरु - 560 064.  
वेबसाइट: www.indianrailways.gov.in  
ई-निविदा सूचना सं. आर.डब्ल्यू.एफ./डब्ल्यू/2026-27/06 दि. 08.06.2026  
ई-निविदा: भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य इंजीनियर निम्नलिखित कार्य के लिए वेबसाइट <http://www.reps.gov.in> (Works) के माध्यम से ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक निविदा आमंत्रित करते हैं।  
निविदा सं. डब्ल्यू.496/आर.डब्ल्यू.एफ./आर.एफ./1066, कार्य का नाम: रेल पहिया कारखाना के पूर्व और पश्चिम कक्षाओं में उद्योगों का विकास। अनुमानित लागत: ₹. 2,74,00,000.00, इंप्यूटी: ₹. 5,48,000.00. निविदा का अंतिम संचयन: 29.06.2026, 15:00 बजे. इस निविदा को [www.rfi.indianrailways.gov.in](http://www.rfi.indianrailways.gov.in) पर देख सकता है।  
उप मुख्य इंजीनियर

**दक्षिण पश्चिम रेलवे**  
ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/27 दिनांक: 02.06.2026  
भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य इंजीनियर निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।  
कार्य का नाम अनुमानित लागत  
मैसूरु: मेकानाईज्ड ₹. 1,00,42,730.5/-  
लौंड्री का प्रतिदिन क्षमता को 3.5 टन से 7 टन तक बढ़ाईकरण।  
निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 23.06.2026, 11:00 बजे तक।  
निविदा के लिए ऑन करें [www.reps.gov.in](http://www.reps.gov.in) में  
विरिध विभाग ई-निविदा इलेक्ट्रॉनिक निविदा आर्गेनाइजेशन/सामान्य/मैसूरु  
आवाहन टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए **RailNR** ऐप डाउनलोड करें।  
[E South Western Railway - SWR] [SRWSR] [SRWASNR] [SRWASNR]







सुविचार



बुरा वक्त एक ऐसी तिजोरी है, जहाँ से सफलता के हथियार मिलते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

निरंकुशता का परिणाम

पश्चिम बंगाल की राजनीति में बीते एक दशक से एकछत्र राज करने वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) आज अपने सबसे गंभीर अस्तित्वगत संकट से गुज़र रही है। राज्य विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शूभेंद्रु अधिकारी के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के बाद से ही तृणमूल में जो दरारें दिखनी शुरू हुई थीं, वे अब दिल्ली के सत्ता गलियारों तक पहुँचकर एक बड़े महाविभाजन का रूप ले चुकी हैं।

इस राजनीतिक भूचाल के पीछे सबसे प्रमुख कारण पार्टी का आंतरिक ढांचा और सांघटनिक अहंकार है। हालिया चुनावी शिकस्त के बाद, जहां उम्मीद थी कि पार्टी शीर्ष नेतृत्व अपनी कमियों को स्वीकार करेगा और अलग गुट बनाए लेगा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को समर्थन देने की तैयारी कर रहे इन बागी सांसदों का नेतृत्व कथित तौर पर बारासात की सांसद काकोली घोष दस्तौदार कर रही हैं। यह घटनाक्रम पश्चिम बंगाल विधानसभा में हुए उस विद्रोह की ही कार्बन कॉपी है, जहां 58 विधायकों ने अलग होकर रिक्तबत बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल संसदीय दल से नाता तोड़ लिया था। अब लोकसभा में टीएमसी के कुल 29 सांसदों में से 20 का बागी हो जाना यह दर्शाता है कि पार्टी पर ममता बनर्जी और उनके भतीजे व राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की पकड़ पूरी तरह ढीली हो चुकी है।

इस राजनीतिक भूचाल के पीछे सबसे प्रमुख कारण पार्टी का आंतरिक ढांचा और सांघटनिक अहंकार है। हालिया चुनावी शिकस्त के बाद, जहां उम्मीद थी कि पार्टी शीर्ष नेतृत्व अपनी कमियों को स्वीकार करेगा और अलग गुट बनाए लेगा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को समर्थन देने की तैयारी कर रहे इन बागी सांसदों का नेतृत्व कथित तौर पर बारासात की सांसद काकोली घोष दस्तौदार कर रही हैं। यह घटनाक्रम पश्चिम बंगाल विधानसभा में हुए उस विद्रोह की ही कार्बन कॉपी है, जहां 58 विधायकों ने अलग होकर रिक्तबत बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल संसदीय दल से नाता तोड़ लिया था। अब लोकसभा में टीएमसी के कुल 29 सांसदों में से 20 का बागी हो जाना यह दर्शाता है कि पार्टी पर ममता बनर्जी और उनके भतीजे व राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की पकड़ पूरी तरह ढीली हो चुकी है।

इस राजनीतिक भूचाल के पीछे सबसे प्रमुख कारण पार्टी का आंतरिक ढांचा और सांघटनिक अहंकार है। हालिया चुनावी शिकस्त के बाद, जहां उम्मीद थी कि पार्टी शीर्ष नेतृत्व अपनी कमियों को स्वीकार करेगा और अलग गुट बनाए लेगा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को समर्थन देने की तैयारी कर रहे इन बागी सांसदों का नेतृत्व कथित तौर पर बारासात की सांसद काकोली घोष दस्तौदार कर रही हैं। यह घटनाक्रम पश्चिम बंगाल विधानसभा में हुए उस विद्रोह की ही कार्बन कॉपी है, जहां 58 विधायकों ने अलग होकर रिक्तबत बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल संसदीय दल से नाता तोड़ लिया था। अब लोकसभा में टीएमसी के कुल 29 सांसदों में से 20 का बागी हो जाना यह दर्शाता है कि पार्टी पर ममता बनर्जी और उनके भतीजे व राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की पकड़ पूरी तरह ढीली हो चुकी है।

द्वीटार टॉक

राज्य के एपीकल्वर डिपार्टमेंट और सीड कॉर्पोरेशन में करोड़ों रुपये के नकली बीज रिक्त कांड का एसीबी ने पर्दाफाश किया है, जो बहुत चिंताजनक है। जो अधिकारी एपीकल्वर मिनिस्टर के साथ कंधे से कंधा मिलाकर 'रेड' का नाटक कर रहे थे।

पिछले 12 सालों में, भारत ने कई बदलाव देखे हैं और इन बदलावों के केंद्र में गरीबों और पिछड़े लोगों की भलाई है। हम हमेशा अंत्योदय से प्रेरित रहे हैं और हमारी कोशिश हमेशा यह पक्का करने की रही है कि विकास का फायदा उन लोगों तक पहुंचे जो दशकों से पीछे रह गए थे।

नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

धैर्य से सफलता

एक बार मागध के गुरुकुल में आचार्य ज्ञानसागर जी ने अपने शिष्यों के धैर्य की परीक्षा ली। एक सत्र के पूर्ण होने पर आचार्य ने शिष्यों को बांस की टोकरियां देते हुए कहा, 'जाओ और इनमें नदी से जल भर लो। गुरुकुल की सफाई करनी है।' शिष्य आचार्य की आज्ञा सुनकर चकित रह गए, क्योंकि बांस की टोकरियां में जल भरकर लाना असंभव-सा था। फिर भी, गुरु की आज्ञा का पालन करते हुए सभी शिष्य नदी पर गए और प्रयास किया। लेकिन बांस की टोकरियों में जल भरने से वह जल छिड़ों से रिस जाता और कोई भी शिष्य जल भरकर वापस नहीं लौट पाया, सिवाय एक शिष्य के। वह शिष्य आचार्य के प्रति पूर्ण निष्ठा से भरा हुआ था। उसने यह सोचकर बार-बार जल भरने का प्रयास किया कि गुरुदेव ने यह आदेश किसी कारण से दिया है। दिनभर प्रयास करने के बाद, जब बांस की टोकरियां नदी में पानी से भरते-भरते पूरी तरह भीग गईं, तो बांस की तीलियां फूल गईं और सभी छिद्र बंद हो गए। शाम तक वह शिष्य पूरी तरह से जल भरकर आचार्य के पास लौटा। आचार्य ने उसे देखा और अन्य शिष्यों को दिखाकर कहा, 'कार्य तो मैंने तुम्हें कठिन सांपा था, लेकिन विवेक, धैर्य, लगन और निरंतर प्रयास से यह भी संभव हो गया।'

प्रमोद भार्गव  
मोबाइल : 9981061100

अब नेपाल से सुलझ जाएगा सीमा विवाद

जब से नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की सरकार अस्तित्व में आई है, तब से इस शांतिप्रिय हिंदू-बहुल देश की राजनीति दबावमुक्त अनुभव होने लगी है। चीन के हस्तक्षेप के चलते भारत से नेपाल की जो दूरियां बढ़ती चली जा रहीं थीं, वे अब कम हो रही हैं। इसी का परिणाम है कि नेपाल के भारत-आधारित मंत्री शिखर खनल ने नई दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए साफ कर दिया है कि काठमांडू भारत के साथ चल रहे सीमा विवाद को तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के बिना मौजूदा द्विपक्षीय वार्ता के जरिए सुलझाने का इच्छुक है। उनका कहना है कि जब दोनों पक्ष खुले दिल, तर्कसंगत सोच और आपसी सम्मान के साथ बैठें हैं तो कोई समस्या जटिल नहीं रह जाती है। नेपाल नई दिल्ली को 21वीं सदी की भू-राजनीति के अति संवेदनशील चश्मे से नहीं देखना चाहता है। दोनों देश एक पारदर्शी अर्जेंट पर आगे बढ़ेंगे। इस कड़ी में भारत नेपाल को पुनः बोझ का बंधक बनाए रखना नहीं चाहती है।

खनल की भारत यात्रा ऐसे समय में हुई है, जब बालेंद्र शाह ने सीमा विवाद को लेकर चीन और ब्रिटेन का जिक्र किया था। जिसे भारत ने पूरी तरह नाकार दिया था। इस पर सफाई देते हुए खनल ने साफ कर दिया कि ब्रिटेन से संबंधित टिप्पणी केवल ऐतिहासिक दस्तावेज और ब्रिटिश लाइब्रेरी यूजियम से जानकारी हासिल करने तक सीमित थी। 1860 में इस क्षेत्र की भूमि का पहली बार सर्वे किया गया था। इसके बाद 1929 में ईस्ट इंडिया कंपनी ने ही काला पानी को भारत का हिस्सा घोषित किया था, नेपाल ने भी इसकी पुष्टि कर दी थी। भारत की आजादी के बाद भी यही स्थिति बनी रही। किंतु नेपाल में चीन द्वारा किए गए बड़े-बड़े निवेश के चलते नेपाल को यह हस्तक्षेप करने पड़ गया है। हमारे पड़ोसी देशों में नेपाल और भूटान ऐसे देश हैं, जिनके साथ हमारे संबंध विकास और स्थिरता के रहे हैं। यही वजह है कि भारत और नेपाल के बीच 1950 में हुई सुहार्द, शांति और दोस्ती की संधि आज भी कायम है। नेपाल और भूटान से जुड़ी 1850 किमी लंबी सीमा रेखा बिना किसी पुख्ता पहरेदारी के खुली है। बावजूद चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की तरह कोई विवाद नहीं है। बिना पारंपरिक आजादी निरंतर है। करीब 60 लाख नेपाली भारत में काम करके रोजी-रोटी कमा रहे हैं। 3000 नेपाली छात्रों को भारत हर साल छात्रवृत्ति देता है। नेपाल के विदेशी निवेश में भी अब तक का सबसे बड़ा 47 प्रतिशत हिस्सा भारत का है। बावजूद यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि



भारत के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय राजनीतिक नेतृत्व ने कभी भी चीन के लोकतांत्रिक मुखौटे में छिपी साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा को नहीं समझा? नतीजतन चीन की हड़प नीतियों के विरुद्ध न तो कभी दूता से खड़े हो पाए और न ही कड़ा रुख अपनाकर विश्व मंच पर अपना विरोध दर्ज करा पाए ?

कालापानी, लिंपियाधुरा और लिपुलेख क्षेत्र को अपने देश के नए मानचित्र में दिखा दिया था। इस सिलसिले में भारतीय विदेश मंत्रालय का कहना था कि इस मार्ग को खोलने से पहले तक नेपाल के मानचित्र में यह स्थिति नहीं थी। विवादित मानचित्र जारी करते हुए नेपाल ने दावा किया था कि 1816 में नेपाल और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हुई सुगौली संधि के अनुसार काला पानी क्षेत्र उत्तरका है। 1860 में इस क्षेत्र की भूमि का पहली बार सर्वे किया गया था। इसके बाद 1929 में ईस्ट इंडिया कंपनी ने ही काला पानी को भारत का हिस्सा घोषित किया था, नेपाल ने भी इसकी पुष्टि कर दी थी। भारत की आजादी के बाद भी यही स्थिति बनी रही। किंतु नेपाल में चीन द्वारा किए गए बड़े-बड़े निवेश के चलते नेपाल को यह हस्तक्षेप करने पड़ गया है। हमारे पड़ोसी देशों में नेपाल और भूटान ऐसे देश हैं, जिनके साथ हमारे संबंध विकास और स्थिरता के रहे हैं। यही वजह है कि भारत और नेपाल के बीच 1950 में हुई सुहार्द, शांति और दोस्ती की संधि आज भी कायम है। नेपाल और भूटान से जुड़ी 1850 किमी लंबी सीमा रेखा बिना किसी पुख्ता पहरेदारी के खुली है। बावजूद चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की तरह कोई विवाद नहीं है। बिना पारंपरिक आजादी निरंतर है। करीब 60 लाख नेपाली भारत में काम करके रोजी-रोटी कमा रहे हैं। 3000 नेपाली छात्रों को भारत हर साल छात्रवृत्ति देता है। नेपाल के विदेशी निवेश में भी अब तक का सबसे बड़ा 47 प्रतिशत हिस्सा भारत का है। बावजूद यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि

नेपाल का झुकाव चीन की ओर बढ़ रहा है। हालांकि नरेंद्र मोदी ने अगस्त-2014 में नेपाल की यात्रा करके बिगड़ते संबंधों को आत्मیय बनाने की सार्थक पहल की थी, किंतु भारतीय मूल के मधेशियों के आंदोलन ने इस पर पानी फेर दिया था। नेपाल की पिछली सरकारों द्वारा चीन के साथ द्विपक्षीय संबंधों को जो नए आयाम दिए हैं, उनके तहत ऐतिहासिक पारंपरिक व्यापार समझौतों समेत 10 समझौतों की शुरुआत करके नेपाल ने चीन से रिश्ते मजबूत कर लिए हैं। इस समझौते में सबसे खास बात है कि नेपाल अब भारत के कोलकाता स्थित हल्दिया बंदरगाह के बजाय 3000 किमी दूर स्थित चीनी तियानजिन बंदरगाह से अपने जरूरी सामानों की आपूर्ति करने लगा है। जबकि भारत का बंदरगाह नेपाल की सीमा से करीब 1000 किमी की दूरी पर है। विडंबना है कि नेपाल चीन के इस बंदरगाह का तुरंत इस्तेमाल नहीं कर सकता है, क्योंकि चीनी बंदरगाह ऊंचाई पर है और नेपाल में आधारभूत ढांचा उन्नत नहीं है। बावजूद यह समझौता शायद इसलिए हुआ, क्योंकि इसी समझौते के टीक पहले नेपाल में मधेशी आंदोलन के चलते भारत से आने वाले नेपाल के व्यापारिक मार्गों को करीब छह माह तक बंद कर दिया गया था, जिससे नेपाल का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। इस नाकेबंदी की भाविक्य में पुनरावृत्ति न हो इस आशंका से मुक्ति के लिए नेपाल ने इस समझौते को अंजाम दे दिया था। इस अहम समझौते के अलावा चीन और नेपाल के बीच तिब्बत के रास्ते रेलमार्ग बनाने पर

भी संधि हुई है। चीन ने काठमांडू से करीब 200 किमी दूर पोखरा में क्षेत्रीय हवाई अड्डा निर्माण के लिए नेपाल को 2.16 डॉलर का सरस्ती ब्याज दर पर ऋण दिया है। मुक्त व्यापार समझौते पर भी हस्ताक्षर हुए हैं। नेपाल में तेल और गैस की खोज करने पर भी चीन सहमत हुआ है। इसके लिए वह नेपाल को आर्थिक और तकनीकी मदद देने को राजी हो गया है। चीन ने नेपाल में अपने व्यावसायिक बैंक की शाखाएं भी खोल दी हैं। नेपाली बैंक भी अपनी शाखाएं चीन में खोल रहे हैं। संस्कृति, शिक्षा और पर्यटन जैसे मुद्दों पर भी चीन का दखल नेपाल में बढ़ गया है। अर्से से इन्हीं कूटनीतिक चालों के चलते कम्युनिष्ट विचारधारा के पोषक चीन ने माओवादी नेपालियों को अपनी गिरफ्त में लिया और नेपाल के हिंदू राष्ट्र होने के संवैधानिक प्रावधान को खल करके प्रचंड को प्रधानमंत्री बनाया दिया था। चीन नेपाल की पाठशालाओं में चीनी अध्यापकों से चीनी भाषा मंदारिन भी मुफ्त में सिखाता का काम कर रहा है। माओवादी प्रभाव ने ही भारत और नेपाल के प्राचीन रिश्ते में हिंदुत्व और हिंदी की जो भावनात्मक तासीर थी, उसका गाढ़ापन ढीला किया। गोया, चीन का हस्तक्षेप और प्रभुत्व नेपाल में लगातार बढ़ता रहा है। हैरानी की बात है कि भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी के नेता और वामपंथी लेखक इन मुद्दों पर पर्दा डाले रखकर देशहित से दूरी बनाए हुए हैं।

भारत के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय राजनीतिक नेतृत्व ने कभी भी चीन के लोकतांत्रिक मुखौटे में छिपी साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा को नहीं समझा? नतीजतन चीन की हड़प नीतियों के विरुद्ध न तो कभी दूता से खड़े हो पाए और न ही कड़ा रुख अपनाकर विश्व मंच पर अपना विरोध दर्ज करा पाए? अलबत्ता हमारे तीन प्रधानमंत्रियों, जवाहर लाल नेहरू और राजीव गांधी ने तिब्बत को चीन का अधिभाजित हिस्सा मानने की उदारता ही जताई। इसी खुली छूट के चलते बड़ी संख्या में तिब्बत में चीनी सैनिकों की घुसपैठ शुरू हुई। इन सैनिकों ने वहां की सांस्कृतिक पहचान, भाषाई तैवर और धार्मिक संस्कारों में पर्याप्त दखलंदाजी कर दुनिया की छत को कब्जा लिया। अब तो चीन तिब्बती मानव नस्ल को ही बदलने में लगा है। दुनिया के मानवाधिकारी वैश्व मंचों से कह भी रहे हैं कि तिब्बत विषय का ऐसा अंतिम उपनिवेश है, जिसे हड़बने के बाद वहां की सांस्कृतिक अस्मिता को एक दिन चीनी अजगर चीन तरह निराल जाएगा। ताइवान का यह ही चीन पहले ही कर चुका है। चीन ने दखल देकर पहले इसकी सांस्कृतिक अस्मिता को नष्ट-भ्रष्ट किया और फिर ताइवान का बाकायदा अधिपति बन बैठा। हांगकांग और नेपाल में भी चीन यह कर रहा है। हांगकांग को भी वह पूरी तरह नियंत्रण में लेने की फिराक में है।

नजरिया

मरीज, मशीन और हैकर : स्वास्थ्य व्यवस्था का नया संकट

प्रो. आरके जैन अरिजीत

बढ़ते उपयोग के बीच अनेक अस्पताल अब भी पुराने सॉफ्टवेयर और अचरुक्षित नेटवर्क पर निर्भर हैं। ऐसे में स्वास्थ्य संस्थान साइबर अपराधियों के लिए आसान लक्ष्य बनते जा रहे हैं।



स्वास्थ्य संबंधी जानकारी अब केवल अस्पतालों के रिकॉर्ड में नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के मोबाइल ऐप्स में भी सुरक्षित है। फिटनेस, शुगर मॉनिटरिंग, ब्लड प्रेशर और टेलीमेटिसिन ऐप्स व्यक्ति की बीमारी, दवाओं, पारिवारिक स्वास्थ्य इतिहास और कई बार अनुवंशिक जानकारी तक संजोते हैं। किंतु अनेक ऐप्स में सुरक्षा मानकों का पालन पर्याप्त नहीं होता। कमजोर पासवर्ड, अपर्याप्त एन्क्रिप्शन और समय पर अपडेट का अभाव उन्हें साइबर हमलों के प्रति संवेदनशील बनाता है। ऐसे में स्वास्थ्य डेटा अपराधियों के लिए बहुमूल्य संपत्ति बन जाता है, जिसका दुरुपयोग ब्लैकमेल से लेकर व्यावसायिक शोषण तक किया जा सकता है। जब स्वास्थ्य संबंधी गोपनीय सूचनाएं लीक होती हैं, तब क्षति केवल डेटा तक सीमित नहीं रहती, बल्कि विधास की नींव भी हिल जाती है। बैंक खाते का पासवर्ड बदला जा सकता है, पर किसी व्यक्ति की बीमारी का इतिहास नहीं। यदि संवेदनशील स्वास्थ्य जानकारी सार्वजनिक हो जाए, तो उसका असर सामाजिक संबंधों, रोजगार के अवसरों और बीमा सुविधाओं तक पड़ सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य क्षेत्र अन्य क्षेत्रों से भिन्न है। यहाँ डेटा का मूल्य केवल आर्थिक नहीं, बल्कि व्यक्ति की पहचान, प्रतिष्ठा और गरिमा से जुड़ा होता है। इसलिए स्वास्थ्य प्रणालियों की सुरक्षा का नुकसान केवल संस्थानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करता है।

संकट की गहराई केवल डेटा चोरी तक सीमित नहीं है। आज साइबर हमले सीधे जीवनरक्षक चिकित्सा उपकरणों तक पहुँच सकते हैं। यदि किसी इंसुलिन पंप की जोड़ या वेंटिलेटर की सेटिंग से छेड़छाड़ हो जाए, तो उपकरण गंभीर हो सकते हैं। यह मात्र काल्पनिक आशंका नहीं, बल्कि वैश्विक अध्ययनों और चेतावनियों का विषय है। रैंसमवेयर हमलों के दौरान ऑपरेशन थिएटर प्रभावित होते हैं, आपातकालीन सेवाएँ बाधित होती हैं और उपचार व्यवस्था संकट में पड़ जाती है। डिजिटल चिकित्सा की नींव

स्वास्थ्य संबंधी जानकारी अब केवल अस्पतालों के रिकॉर्ड में नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के मोबाइल ऐप्स में भी सुरक्षित है। फिटनेस, शुगर मॉनिटरिंग, ब्लड प्रेशर और टेलीमेटिसिन ऐप्स व्यक्ति की बीमारी, दवाओं, पारिवारिक स्वास्थ्य इतिहास और कई बार अनुवंशिक जानकारी तक संजोते हैं। किंतु अनेक ऐप्स में सुरक्षा मानकों का पालन पर्याप्त नहीं होता। कमजोर पासवर्ड, अपर्याप्त एन्क्रिप्शन और समय पर अपडेट का अभाव उन्हें साइबर हमलों के प्रति संवेदनशील बनाता है। ऐसे में स्वास्थ्य डेटा अपराधियों के लिए बहुमूल्य संपत्ति बन जाता है, जिसका दुरुपयोग ब्लैकमेल से लेकर व्यावसायिक शोषण तक किया जा सकता है। जब स्वास्थ्य संबंधी गोपनीय सूचनाएं लीक होती हैं, तब क्षति केवल डेटा तक सीमित नहीं रहती, बल्कि विधास की नींव भी हिल जाती है। बैंक खाते का पासवर्ड बदला जा सकता है, पर किसी व्यक्ति की बीमारी का इतिहास नहीं। यदि संवेदनशील स्वास्थ्य जानकारी सार्वजनिक हो जाए, तो उसका असर सामाजिक संबंधों, रोजगार के अवसरों और बीमा सुविधाओं तक पड़ सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य क्षेत्र अन्य क्षेत्रों से भिन्न है। यहाँ डेटा का मूल्य केवल आर्थिक नहीं, बल्कि व्यक्ति की पहचान, प्रतिष्ठा और गरिमा से जुड़ा होता है। इसलिए स्वास्थ्य प्रणालियों की सुरक्षा का नुकसान केवल संस्थानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## धार की भोजशाला में वाग्देवी की अष्टधातु मूर्ति रखने और हटाने को लेकर विवाद

इंदौर/भाषा। धार की भोजशाला को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा मंदिर घोषित किए जाने के 22 दिन बाद इस परिसर में वाग्देवी (देवी सरस्वती) की अष्टधातु मूर्ति रखे जाने और उसे कथित तौर पर हटाए जाने को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है।

हिंदू पक्ष के एक याचिकाकर्ता ने भोजशाला से यह मूर्ति हटाने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एसआई) को जिम्मेदार ठहराया है, जबकि मुस्लिम पक्ष के एक प्रतिनिधि ने मध्यकालीन स्मारक में इस मूर्ति की स्थापना पर आपत्ति जताई है।

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने हिंदू पक्ष की दो जनहित याचिकाएं स्वीकार करते हुए भोजशाला को 15 मई को वाग्देवी का मंदिर घोषित किया था। अवालत ने अपने फैसले में यह भी कहा था कि एसआई को इस परिसर में धार्मिक पहुंच के संरक्षण और विनियमन पर 'पूर्ण पर्यवेक्षी नियंत्रण' प्राप्त होगा।

भोजशाला मामले में हिंदू पक्ष के याचिकाकर्ताओं में शामिल कुलदीप तिवारी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि पिछले शनिवार (छह जून) को कुछ श्रद्धालुओं ने इस परिसर में अष्टधातु की एक मूर्ति स्थापित कर विधि-विधान और मंत्रोच्चार

के साथ पूजा-अर्चना की थी। तिवारी के अनुसार श्रद्धालुओं ने शनिवार को पूरे दिन मूर्ति की पूजा की, लेकिन शाम को एसआई ने इसे भोजशाला से कथित तौर पर हटा दिया। उन्होंने कहा, 'मां वाग्देवी की अष्टधातु मूर्ति को एसआई द्वारा हटाया जाना बेहद आपत्जनक है। यह कदम न्यायालय के आदेश की अवमानना और श्रद्धालुओं की आस्था का अपमान है।'

तिवारी ने कहा कि भोजशाला परिसर में वाग्देवी की मूर्ति की प्रतिकृति अर्धे स्थान पर स्थापित है, जबकि अष्टधातु की मूर्ति एसआई ने कथित तौर पर हटा दी है। उन्होंने कहा कि वाग्देवी की मूल मूर्ति लंदन के ब्रिटिश म्यूजियम में रखी है और जब तक यह मूर्ति वापस भारत नहीं आ जाती, तब तक वैकल्पिक रूप से अष्टधातु की मूर्ति मंदिर में स्थापित की जाए।

तिवारी ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि पिछले हफ्ते भोजशाला परिसर में किन श्रद्धालुओं ने अष्टधातु की मूर्ति स्थापित की थी।

भोजशाला परिसर से यह मूर्ति हटाए जाने के आपत्त पर एसआई की प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है। इस विवाद के बारे में पूछे जाने पर धार क्षेत्र के एसआई अधिकारी प्रशांत पाटनकर ने

कहा कि वह मीडिया को बयान देने के लिए अधिकृत नहीं हैं।

धार के पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने कहा कि भोजशाला को लेकर उच्च न्यायालय के 15 मई के आदेश और तमाम नियम-कायदों का पुलिस-प्रशासन द्वारा पूरी तरह पालन किया जा रहा है।

उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ में जनहित याचिका दायर करके मुकदमा जीतने वाले हिंदू पक्ष के दोनों याचिकाकर्ता लंदन के ब्रिटिश म्यूजियम में रखी वाग्देवी की मूल मूर्ति को भारत वापस लाकर भोजशाला में पुनर्स्थापित करने की मांग पर जोर दे रहे हैं।

हिंदू पक्ष की याचिकाओं में वाग्देवी की मूल मूर्ति भारत वापस लाने और उसे भोजशाला परिसर के भीतर फिर से स्थापित करने की गुहार भी शामिल थी। इस गुहार पर अवालत ने 15 मई के फैसले में कहा था कि याचिकाकर्ताओं ने भारत सरकार के समक्ष पहले ही इस बारे में कई अभ्यावेदन प्रस्तुत किए हैं और सरकार इन पर विचार कर सकती है। धार की कमाल मौला मस्जिद नमाज इंतजामिया कमेटी के सदस्य जलाल उद्दीन मजिद ने कहा, उच्च न्यायालय की इस टिप्पणी के मद्देनजर भोजशाला परिसर में कोई भी अन्य मूर्ति कानूनन नहीं रखी जा सकती।

## कंगना रनौत ने की युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की तारीफ, कहा- 'देश के लिए वर्ल्ड कप लेकर आओ'

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 15 साल की उम्र में इतिहास रचते हुए भारतीय टी20 टीम में जगह बनाई। उनकी इस उपलब्धि पर बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। कंगना ने आईएनएस को लिए इंटरव्यू के दौरान एक मशहूर गजल के जरिए वैभव सूर्यवंशी को बधाई दी। आईएनएस को बधाई देते हुए कंगना रनौत ने कहा, 'इतनी छोटी उम्र में टीम इंडिया में चयन होना बेहद गर्व की बात है। मुझे उम्मीद है कि वैभव आगे चलकर सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे महान खिलाड़ियों से भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे और वर्ल्ड कप घर लाएंगे।' इसी बातचीत के दौरान कंगना ने एक मशहूर गजल की पंक्तियां भी सुनाई 'ना उम्र की सीमा हो, ना जन्म का हो बंधन...जब प्यार करे कोई, तो देखे केवल मन... नई रीत चलाकर तुम, ये रीत अमर कर दो।'

जब आईएनएस ने कंगना से पूछा कि क्या उन्होंने वैभव सूर्यवंशी को खेले हुए देखा है, तो उन्होंने कहा, 'काम की व्यस्तता के चलते मुझे क्रिकेट देखने का ज्यादा समय नहीं मिल पाता। मैं हर उभरते हुए युवा खिलाड़ी को शुभकामनाएं देती हूँ और चाहती हूँ कि ये देश का नाम रोशन करें। मेरा मकसद किसी पर



दबाव डालना नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों को प्रेरित करना है ताकि वे अपने खेल में और बेहतर कर सकें।'

बाता दें कि वैभव सूर्यवंशी की उपलब्धि इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि उन्होंने क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर से भी कम उम्र में भारतीय टीम में जगह बनाई है। सचिन को 16 साल की उम्र में टीम इंडिया में मौका मिला था, जबकि वैभव को 15 साल की उम्र में यह अवसर मिला है। इसी वजह से उन्हें भारतीय क्रिकेट इतिहास का सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कहा जा रहा है। इसके अलावा, कंगना रनौत ने खुलासा किया कि आखिर उन्होंने अपनी सोशल मीडिया टीम से अपने अकाउंट्स की कमान वापस क्यों ले ली और क्यों वह खुद अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म संपालना संसद करती हैं।

कंगना रनौत ने कहा, 'मुझे सोशल मीडिया पर लोगों से सीधे बात करना ज्यादा पसंद है। एक समय मेरा सोशल मीडिया अकाउंट मेरी टीम संपाल रही थी, लेकिन टीम द्वारा लिखे जाने वाले पोस्ट और कैंशन्स मुझे बिल्कुल पसंद नहीं आते थे।

## गुरुता गद्दी दिवस



-अमृतसर में सोमवार को छोटे सिख गुरु, श्री गुरु हरगोविंद साहिब जी के 'गुरुता गद्दी दिवस' के पानन अवसर पर अमृतसर के स्वर्ण मंदिर (हरमंदिर साहिब) में माथा टेकने और दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालु।

## धारा 301 की जांच के बाद ही भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप : अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका की तरफ से धारा 301 के तहत जांच पूरी होने के बाद ही भारत और अमेरिका के बीच होने वाले द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण को अंतिम रूप दिया जा सकेगा। एक सरकारी अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि यदि अमेरिका, भारत पर कोई अतिरिक्त शुल्क लगाना चाहता है, तो उसे इसके लिए धारा 301 के तहत शुरू जांच की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इस प्रक्रिया का 24 जुलाई तक पूरा होना महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसके बाद अमेरिका द्वारा लगाया गया 10 प्रतिशत का अस्थायी अतिरिक्त शुल्क समाप्त हो जाएगा और केवल 'सर्वाधिक तरजीही देश' (एमएफएन) शुल्क ही लागू रहेंगे।

अधिकारी ने कहा, 'ऐसे में अगर अमेरिका हमसे कोई अतिरिक्त शुल्क वसूलना चाहता

है, तो उसे पहले धारा 301 के तहत जांच प्रक्रिया पूरी करनी होगी।'

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने मार्च में भारत सहित कई देशों के खिलाफ धारा 301 के तहत एकतरफा जांच दो मामलों में शुरू की थीं। ये जांच वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में कथित बंधुआ मजदूरी और 'अत्यधिक उत्पादन क्षमता' से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित हैं।

यूएसटीआर ने दो जून को भारत समेत 54 देशों पर 12.5 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा था। यह शुल्क बंधुआ मजदूरी से बने उत्पादों के आयात पर प्रभावी रोक लगाने में विफल रहने के आरोप में लगाने की बात कही गई। हालांकि, 'अत्यधिक उत्पादन क्षमता' से जुड़ी दूसरी जांच की रिपोर्ट अभी आनी बाकी है।

इस बीच, भारत अपने प्रतिस्पर्धी देशों जैसे आसियान समूह, श्रीलंका और बांग्लादेश

की तुलना में कम शुल्क लगाने की मांग कर रहा है।

पिछले सप्ताह वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि दोनों देश अंतरिम व्यापार समझौते के लंबित मुद्दों को सुलझाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और जुलाई के मध्य तक पहले चरण को अंतिम रूप दिया जा सकता है।

एक अमेरिकी दल ने दो से चार जून के बीच भारत का दौरा कर व्यापार समझौते पर चर्चा की। महीने के अंत में जेमीसन ग्रीर के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के भी भारत आने की संभावना है।

वित्त वर्ष 2025-26 में अमेरिका, भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा। इस दौरान भारत का अमेरिका को निर्यात 0.92 प्रतिशत बढ़कर 87.3 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 15.95 प्रतिशत बढ़कर 52.9 अरब डॉलर हो गया।

## मां को तकलीफ न हो इसलिए कमी जिद नहीं की, रानी मुखर्जी ने सुनाया बचपन का किस्सा

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी को लोग उनकी दमदार अदाकारी और शानदार फिल्मों के लिए जानते हैं। हाल ही में उनका एक इंटरव्यू वायरल हो रहा है, जिसमें यह कहती नजर आ रही हैं कि छोटी उम्र से ही उनके मन में एक ही इच्छा थी कि वह ज़िंदगी में कुछ बड़ा करें और अपने माता-पिता को दुनिया की हर खुशी दैमशहूर टेलीविजन होस्ट सिमी ग्रेवाल के चर्चित शो 'रेडेजवस विद सिमी ग्रेवाल' में बातचीत के दौरान रानी मुखर्जी ने अपने बचपन की कई यादें साझा कीं। जब उनसे पूछा गया कि वह बड़ी होकर क्या बनना चाहती थीं तो रानी ने कहा, 'मैं हमेशा से जीवन में कुछ बड़ा करना



चाहती थीं। मेरे अंदर यह बात थी कि मैं अपने माता-पिता को सच में खुश करना चाहती थी। जब मैं किसी दुकान पर जाती थी तो कई चीजें मैं खरीदना चाहती थीं तो मन में ख्याल आता था कि एक दिन मैं इतनी सफल बनूँ कि जो चाहे खरीद सकूँ और अपने माता-पिता की हर इच्छा पूरी कर सकूँ।' रानी मुखर्जी ने बातचीत के दौरान बताया,

बचपन में अगर मुझे किसी चीज की इच्छा होती थी, लेकिन मुझे लगता था कि मेरी मां यह चीज नहीं खरीद पाएंगी, तो मैं कभी जिद नहीं करती थी। मैं अपनी मां को किसी भी तरह की परेशानी में नहीं डालना चाहती थी। मैं मन ही मन सोचती थी कि जब बड़ी होंगी तो कुछ ऐसा करूंगी जिससे मेरे माता-पिता को किसी बात की चिंता न रहे और उन्हें दुनिया की सबसे अच्छी चीजें मिल सकें।

उन्होंने आगे कहा, 'मैं बचपन से ही अपनी उम्र के बच्चों की तुलना में ज्यादा समझदार थी। जहां अधिकतर बच्चे अपनी इच्छाओं और जरूरतों के बारे में सोचते हैं, वहीं मैं अपने परिवार की परिस्थितियों और माता-पिता की भावनाओं को समझने लगी थी।



मुंबई में अपनी आगामी फिल्म 'हाय जवानी तो इश्क होना है' के प्रमोशन के दौरान मीडिया कैमरों के लिए पोज देते बॉलीवुड कलाकार वरुण धवन और पूजा हेगड़े।

## अमिताभ बच्चन ने बताई जीवन में समस्याओं की अहमियत, बोले- हमेशा तुरंत समाधान जरूरी नहीं

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया के माध्यम से जीवन की अनिश्चितताओं और उनसे मिलने वाली सीख पर विचार साझा किए हैं। उन्होंने अपने फैसले को सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी है। उनका कहना है कि समस्याओं का तुरंत समाधान करना हमेशा जरूरी नहीं होता, क्योंकि चुनौतियां व्यक्ति को अनुभव, समझ और सीख प्रदान करती हैं, जो आगे चलकर उसे अधिक परिपक्व और सक्षम बनाती हैं। अपने ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने लिखा कि समस्याएं जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं और उनसे घबराने के बजाय उन्हें समझने की कोशिश करनी चाहिए। उनका कहना है कि हर दिन इंसान को कुछ न कुछ नया सिखाता है। अमिताभ ने कहा, जब कोई समस्या मन को परेशान करती है, तो उससे उस समस्या का पूर्ण ज्ञान और अनुभव प्राप्त होता है और बदले में समझदार बनने का ज्ञान मिलता है। सीखने के लिए समस्या का होना जरूरी नहीं है, लेकिन अगर आगली बार ऐसी समस्या आती है, तो न केवल उसके समाधान के लिए, बल्कि उससे जुड़ी संभावनाओं और चुनौतियों से निपटने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। अमिताभ ने कहा, जीवन में अनिश्चितताएं और चुनौतियां ही जीवन को जीने योग्य बनाती हैं। सकारात्मकता के आवश्यक आत्मविश्वास के साथ ठीक है, बहुत ज्ञान बांट दिया तो चलिए। अमिताभ बच्चन यानी बिग बी को आखिरी बार



टी. जे. ज्ञानवेल द्वारा निर्देशित फिल्म 'वेहेयान' में देखा गया था। इस फिल्म में रजनीकांत, फहद फारिस, राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर, रितिका सिंह, दुशारा विजयन, रोहिणी, राव रमेश, अभिरामी और रमेश तिलक ने अभिनय किया है।

फिलहाल अमिताभ बच्चन फिल्म निर्माता नाग अक्षिन की फिल्म कल्कि 2898 ईस्वी में काम कर रहे हैं। इस फिल्म में कमल हासन और प्रभास भी हैं। बच्चनों के मुताबिक, अमिताभ, नितेश तिवारी की आगामी भय फिल्म रामायण: भाग 1 में भी नजर आएंगे, जिसमें रणबीर कपूर, साई पल्वी, यश और सनी देओल भी हैं। बताया जा रहा है कि वे इस फिल्म में जटायु का किरदार निभाएंगे। 2 जून को बिग बी ने अपने उन प्रशंसकों को धन्यवाद दिया, जो हर रविवार को उनके घर 'जलसा' के बाहर इकट्ठा होते हैं। उन्होंने उनके अटूट प्यार और समर्थन को समर्पित एक कविता लिखी। उन्होंने सबसे पहले रविवार को अपने घर के बाहर जमा हुए प्रशंसकों की कुछ तस्वीरें साझा कीं।

## स्वागत



वडोदरा, गुजरात में सोमवार को गर्मियों की छुट्टियां खत्म होने के बाद स्कूल लौटे छात्रों का तिलक लगाकर स्वागत करती एक शिक्षिका।

## समाज की जड़ में है पितृसत्तात्मक सोच : माधुरी दीक्षित

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेटफ्लिक्स पर अपनी हालिया रिलीज झुम्मा क्राइम कॉमेडी फिल्म 'मां बहन' को लेकर उल्लासित हैं। प्रमोशन में व्यस्त अभिनेत्री ने समाज में महिलाओं और पुरुषों के प्रति अलग-अलग नजरिए की बात करते हुए पितृसत्तात्मक सोच पर सवाल उठाया है। माधुरी ने कहा कि प्यार और रिश्तों के मामलों में समाज आज भी दोहरे मानदंड अनामत है। माधुरी दीक्षित ने आईएनएस से बातचीत में कहा, यह एक पितृसत्तात्मक समाज है। शुरू से ही ऐसा होता आया है। अगर कोई पुरुष गर्लफ्रेंड बनाता है तो उसे 'कैसानोवा' या रोमियो कहा जाता है। लेकिन अगर कोई महिला वैसा ही करती है तो उसे बुरा-भला कहा जाता है और नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है। अभिनेत्री ने कहा कि उनकी फिल्म 'मां बहन'



इन्हीं पुरानी परंपराओं और नियमों को चुनौती देती है। फिल्म में दिखाए गए किरदार कमियों से भरे, उलझे हुए और बिल्कुल असल ज़िंदगी जैसे हैं। फिल्म में महिलाओं को मजबूत और पारंपरिक नियमों को तोड़ने वाला किरदार दिया गया है। उन्होंने जोर दिया कि हर महिला सम्मान और गरिमा के साथ जीने की हकदार है।

माधुरी ने बताया, इस फिल्म में हमने समाज द्वारा बनाए गए हर

नियम को तोड़ा है और हमें इसमें मजा भी आया। किरदार बहुत उलझे हुए हैं, लेकिन बेहद असली हैं। आप खुद से जुड़ाव महसूस करेंगे। 'मां बहन' का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। इसमें माधुरी दीक्षित रेखा नाम की मां का किरदार निभा रही हैं। कहानी रेखा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पहले से कई मुश्किलों से जूझ रही होती है। अचानक उसके किचन में एक लाश मिल जाती है।

## रैली



मणिपुर में सोमवार को विभिन्न नागरिक संगठनों और '14 उडकी कागलेड्पाक' के बैनर तले पहले छठ, बाद में जनगणना रैली में शामिल होते छात्र।

## मैं दिल से काम करती हूँ, दिमाग से नहीं : करिश्मा कपूर

मुंबई/भाषा।

अभिनेत्री करिश्मा कपूर का कहना है कि वह अपने करियर के उस मुकाम पर पहुंच चुकी हैं जहां वह तभी किसी फिल्म या सीरीज का हिस्सा बनती हैं, जब कोई विषय या किरदार उन्हें सचमुच प्रभावित करता है। करिश्मा ने कहा कि इसी सोच के कारण उन्होंने 'ब्राउन' का प्रस्ताव लगाया जो उकरा दिया था। 'ब्राउन' सीरीज में करिश्मा ने अपने करियर की सबसे प्रभावशाली भूमिकाओं में से एक निभाई है। यह सीरीज शुरूआत को जी5 पर रिलीज हुई और इसमें करिश्मा पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं, जो नशे की लत और अपनी अंदरूनी समस्याओं से जूझती हैं। करिश्मा (51) ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, मैं दिल से काम करती हूँ, दिमाग से नहीं। मैं जैसी हूँ उसी में संतुष्ट हूँ। जब काम करने का मन होता है, तब काम करती हूँ। जब मन नहीं होता, तब नहीं करती। मुझे काम की इतनी चाहत या कमी महसूस नहीं होती। वर्ष 2020 में आई सीरीज 'मेंटलहुड' के बाद 'ब्राउन' करिश्मा की दूसरी वेब सीरीज है। 'मेंटलहुड' भी जी5 पर ही रिलीज हुई थी।



इस सीरीज का प्रस्ताव मिला तो वह थोड़ा झिझक रही थीं क्योंकि वह लंबे समय के लिए किसी विषय से जुड़ना नहीं चाहती थीं। उन्होंने कहा, मुझे लगा, 'शायद मैं किसी दूसरे शहर में 50-60 दिन बिताना नहीं चाहती।' यह एक लंबी सीरीज है, जिसमें छह, सात या आठ एपिसोड हैं। लेकिन जब मैं अभिनय से मिली, फिल्म की कहानी पढ़ी और रीता ब्राउन का किरदार सुना, तो मैं मना नहीं कर सकी। कोलकाता में फिल्मवाइ गद्द 'ब्राउन' का निर्देशन 'डेल्ही बेबी' के निर्देशक अभिनय देव ने किया है और इसका निर्माण जी स्टूडियो ने किया है। इस सीरीज में करिश्मा, रीता ब्राउन का किरदार

निभा रही हैं, जो कभी शहर की सबसे बेहतरीन पुलिस अधिकारी थीं लेकिन अब बदनामी झेल रही हैं और शराब की आदी हैं तथा अपने अतीत से परेशान हैं। उन्हें सिलसिलेवार क्रूर हत्याओं से जुड़े मामलों की जांच के लिए वापस बुलाया जाता है।

अभिनेत्री ने कहा कि यह किरदार उनके तीन दशक लंबे करियर में निभाए गए किसी भी किरदार से बिल्कुल अलग है। करिश्मा ने 'अंदाज अपना अपना', 'राजा हिंदुस्तानी', 'दिल तो पागल है', 'बीवी नंबर 1', 'हीरो नंबर 1', 'फिजा' और 'जुबैदा' जैसी हिट फिल्मों में काम किया है। उन्होंने कहा, रीता ब्राउन जो कुछ भी करती है, वह करिश्मा कपूर के स्वभाव से बिल्कुल अलग है। वह शराबी है, मादक पदार्थ का सेवन करती है, कई तरह की भावनाओं से गुजर रही है, वह खाना नहीं खाती, जबकि मैं खाने की शौकीन हूँ। मैं इस चुनौती को स्वीकार करना चाहती थी और इस किरदार को निभाना चाहती थी, जिसका मैंने भरपूर आनंद लिया। 'ब्राउन' में जीशू सेनगुप्ता, सूर्य शर्मा और सोनी राजदान भी अहम भूमिकाओं में हैं।



## भक्तों की इच्छाओं को पूरा करने के लिए भगवान करते हैं लीला : युगलशरण महाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माहेक्षरी महिला संगठन के तत्वावधान में माहेक्षरी भवन में गतिमान पांच दिवसीय भगवान श्री जगन्नाथ कथा में सोमवार को कथावाचक गौडिया वैष्णवाचार्य युगलशरणजी महाराज ने कहा कि भगवान भक्तों के अहंकार को तोड़ने व उनकी सभी इच्छाओं को पूरा करने के लिए लीला करते हैं। भगवान जगन्नाथ, भगवान विष्णु के अवतार व श्रीकृष्ण का रूप हैं। श्रीकृष्ण के देहत्याग, पांडवों द्वारा उनके हृदय (ब्रह्म पदार्थ) के प्रवाह, राजा इंद्रद्युम्न के स्वप्न और देव शिल्पी विश्वकर्मा द्वारा अघूरी बनाई गई मूर्तियों के चमत्कारिक इतिहास से जुड़ी हुई हैं जगन्नाथ कथा। झांपर युग के अंत में जब श्रीकृष्ण ने मानव देह त्यागी, तब पांडवों ने उनका अंतिम संस्कार किया। आश्वयं की बात यह थी कि अग्नि में श्रीकृष्ण का पूरा शरीर भस्म हो गया, लेकिन उनका हृदय (पिंड) नहीं जला। पांडवों ने उसे जल में प्रवाहित कर दिया, जो बहते हुए पुरी (ओडिशा) के समुद्र तट पर पहुँच गया। सतयुग में राजा इंद्रद्युम्न विष्णु के परम भक्त थे जिन्होंने भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा बनवाई। पर भगवान



की शुकल पक्ष की द्वितीय तिथि को भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की रथ यात्रा निकाली जाती है। महाराज जी ने कहा कि रथयात्रा में रथ काष्ठ के नहीं अपितु भक्तों के प्रेम भाव के रथ होते हैं। भगवान जगन्नाथ भक्तों के मन की डोर से हृदय रूपी रथ पर सवार होकर संसार को दर्शन देते हैं। प्रभु की इच्छा के बिना रथ एक इंच भी नहीं हिलता। भगवान जगन्नाथ अपने मंदिर से निकलकर भक्तों को दर्शन देने के लिए सवार होते हैं। भगवान जब बीमार होते हैं तो वे उस समय भी भक्तों की बीमारी व दुख दर्द को अपने उपर लेते हुए बीमार होते हैं। भगवान जगन्नाथ की लीला प्रेम की लीला है। प्रेम का सच्चा अर्थ केवल देना और देना ही होता है। भगवान जगन्नाथ ब्रह्मांड के स्वामी हैं और आज भी अपने भक्तों के बीच साक्षात् वास करते हैं। कथा में भगवान को छप्पन भोग अर्पण किया गया तथा अनेक झांकियां सजाई गईं। इस अवसर पर स्वर्णिम अध्यात्म त्रस त्योंहार समिति की दक्षिणबंगाल सहप्रभारी शोभा भूतडा विशेष रूप से उपस्थित थीं। शोभवार को कथावाचक ने सभी उपस्थित जनों को स्टेज पर बुलाकर विशेष आशीर्वाद प्रदान किया। नीरा लडा ने सभी का स्वागत किया। गायत्री मालपानी ने धन्यवाद दिया।

विश्वकर्मा द्वारा बनाई जा रही प्रतिमा को एक शर्त के मुताबिक पहले खोलकर देखा गया जिससे भगवान जगन्नाथ, बलभद्र (बलराम) तथा सुभद्रा की तीन मूर्तियाँ अघूरी (बिना हाथ-पैरों के) ही रह गईं। आकाशवाणी के अनुसार राजा ने उन्हीं अघूरी मूर्तियों को मंदिर में स्थापित कर दिया जो आज जगत के नाथ 'जगन्नाथ' के रूप में पूजनीय हैं। कथा वाचक ने रथ यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि आज भी जगन्नाथ पुरी में हर 12 साल में 'नव कलेवर' उत्सव के दौरान पुरानी मूर्तियों से उस रहस्यमयी 'ब्रह्म पदार्थ' (श्रीकृष्ण का हृदय) को निकालकर नई मूर्तियों में स्थापित किया जाता है। विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा हर वर्ष आषाढ मास



## 'मातृछाया' महिला संगठन ने 3000 से अधिक जल कुंडियों का वितरण किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन महिला संगठन 'मातृछाया' द्वारा गत एक माह में जीवदया के कार्य को विस्तार देते हुए आंध्रप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पशु-पक्षियों एवं अवाध जीवों के लिए लगभग 1800 से अधिक बड़ी जल कुंडियों का वितरण किया। यह सेवा कार्य ईस्ट एवं वेस्ट गोदावरी क्षेत्र के अंतर्गत

कोयूर, काकीनाडा, राजमहेंद्रवरम (राजमु दरि), विशाखापट्टनम, अमलापुरम, सामलकोटा, भीमवरम, पालकोल, तनुकु, निदोल आदि स्थानों पर पशु पक्षियों के लिए पेयजल की सुविधा हेतु बड़ी-बड़ी जल कुंडियाँ रखवाई गईं। इस अभियान में राजमंद्री सुमतिनाथ जीवदया ग्रुप के सहयोग

से मातृछाया संगठन ने यह सेवा कार्य किया। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि संस्था ने गत एक माह में आंध्रप्रदेश, अहमदाबाद, राजस्थान या बेंगलूरु सहित अनेक स्थानों पर जलपात्र पहुंचवाए हैं। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने सभी सहयोगियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।



## कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी समिति का हुआ गठन कोठारी फिर बने अध्यक्ष व बोहरा बने महामंत्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट की साधारण सभा रविवार को उपाध्यक्ष रमेश गुगलिया के निवास पर सम्पन्न हुई जिसमें आगामी तीन वर्ष के कार्यकाल हेतु पदाधिकारियों का चुनाव हुआ। सभा में अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत करते हुए अपने तीन वर्ष के कार्यकाल में संपन्न योजनाओं में सहयोग देने वाले दानवीरों, ट्रस्टियों

एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कोषाध्यक्ष विजयराज गुगलिया ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने गत तीन वर्ष के कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पूर्व घोषित कार्यक्रमों के शीघ्र निष्पादन की आशा व्यक्त की। सभा में आगामी कार्यकाल हेतु चयन प्रक्रिया से उत्तमचंद कोठारी को अध्यक्ष, रमेश गुगलिया व किरणराज कोठारी को

उपाध्यक्ष, सिद्धार्थ बोहरा को महामंत्री, विजयराज गुगलिया को कोषाध्यक्ष, किरणकुमार गुगलिया को मंत्री तथा विमलकुमार गांधी को जनसंपर्क अधिकारी चुना गया। नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने कांठा समाज के प्रति जिम्मेदारियों पर संपूर्ण भाव से कार्य करने की प्रतिबद्धता को दोहराया। मंत्री किरणकुमार गुगलिया ने धन्यवाद दिया।

## सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर 5.30 करोड़ रुपये की ठगी

बेंगलूरु। बेंगलूरु पुलिस ने सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर 40 से अधिक लोगों से 5.30 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी करने के आरोप में एक व्यक्ति और उसकी बेटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने दावा किया था कि उनके कई प्रभावशाली लोगों से संपर्क हैं, जिनकी

मदद से वे सरकारी विभागों में नौकरी दिलवा सकते हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान मंसूर अहमद और उसकी बेटी शमशाद बेगम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 17 नवंबर 2025 को एक पीडित की शिकायत के बाद केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) ने मामले की जांच शुरू की थी।



## कुमारस्वामी ने किया जेकेएस ज्वेल्स के भव्य नवनिर्मित परिसर का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की प्रतिष्ठित स्वर्ण आभूषण निर्माता, थोक विक्रेता (होलसेलर) तथा आयातक-निर्यातक कंपनी जेकेएस ज्वेल्स प्राइवेट लिमिटेड अब नगरथेट स्थित अपने स्वयं के नवनिर्मित परिसर 'जेकेएस गोल्डन टॉवर' में स्थानांतरित हो गई है। सोमवार को आयोजित एक समारोह में केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कंपनी के प्रबंध

निदेशक जे. के. प्रसाद के साथ संयुक्त रूप से फीता काटकर नए थोक शोरूम और कॉर्पोरेट कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया। नगरथेट मुख्य मार्ग पर निर्मित यह छह मंजिला आधुनिक टॉवर अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसके प्रथम तल पर भव्य होलसेल शोरूम और द्वितीय तल पर कंपनी के मुख्य प्रशासनिक कार्यालय का शुभारंभ किया गया है। जेकेएस अवसर पर केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने जेके प्रसाद और उनके परिवार को बधाई देते हुए कंपनी की निरंतर व्यावसायिक उन्नति की कामना की। समारोह के दौरान 'जेकेएस' परिवार की ओर से जेके प्रसाद,

रितिकप्रसाद व रोशनीप्रसाद ने केंद्रीय मंत्री का विशेष सम्मान किया। उद्घाटन के इस विशेष अवसर पर अतिथि के रूप में राज्य के मंत्री केएच मुनिगप्पा, बिहार की विधायक एवं जेकेएस ज्वेल्स की ब्रांड एंबेसडर मैथली ठाकुर, बेंगलूरु नगर पुलिस आयुक्त सीमंत कुमार सिंह, अखिल भारतीय जेम्स व ज्वेलरी डोमस्टिक कॉंसिल के चेयरमैन राजेश रोकडे, कल्याण ज्वेलर्स के सीएमडी टीएस कल्याणरामण, श्रीसाई गोल्ड पैलेस के सीएमडी व एमएलसी टीए सरवणा, राष्ट्रीय जेम्स व ज्वेलरी कॉंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल, समृद्धि गोल्ड पैलेस के प्रमुख व विधायक मंजुनाथ

वेंकटरामप्पा, अभिनेत्री सुश्री अनुष्का राय सहित आभूषण जगत की कई नामी हस्तियों, प्रतिष्ठित व्यापारिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों, शुभचिंतकों और मित्रों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अतिथियों ने जेकेएस के नवीनतम एक्सक्लूसिव आभूषण संग्रह का अवलोकन किया और बड़े पैमाने पर बुकिंग भी कराई। सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कंपनी के प्रमुख जे. के. प्रसाद ने कहा, अपने स्वयं के नए और विशाल परिसर में आने के बाद अब हमारी टीम और अधिक क्षमता, बेहतर गुणवत्ता तथा पूरी निष्ठा के साथ ग्राहकों की सेवा के लिए तत्पर है।



## मायुमं बेंगलूरु जागृति शाखा का शपथ ग्रहण सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच (मायुमं) बेंगलूरु जागृति शाखा का शपथ ग्रहण रविवार को जयनगर स्थित एक होटल में हुआ। इस समारोह में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के जौन 5 के उपाध्यक्ष साकेत रितोलिया ने खुशबू जैन को अध्यक्ष, शीतल अग्रवाल को सचिव, मोनिका कुमारी को कोषाध्यक्ष एवं नवनिर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलवाई। पूर्व अध्यक्ष ऋतु सिंघल ने नई कार्यकारिणी समिति को शुभकामनाएं दी। समारोह में विभिन्न संस्थाओं के वरिष्ठजनों ने संस्था के संरक्षक के लिए

स्वीकृति देकर हर संभव योगदान देने की घोषणा की। नई अध्यक्ष खुशबू जैन ने अपने कार्यकाल में नारी आत्मनिर्भरता, महिला उद्यमिता, प्राकृतिक चीजों से बीमारियों के इलाज विषयों पर कार्य करने की बात कही।

इसी शृंखला में उन्होंने 'ए वॉक विथ नेचर' कार्यक्रम की घोषणा की जिसमें डॉ. आलोक गोयल निशुल्क चिकित्सीय परामर्श देंगे। कार्यक्रम में मंच के प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा, राष्ट्रीय सलाहकार (वित्त) नितेश टिवरेवाल सहित मंच की स्टार्स, बेंगलूरु एवं सेंट्रल शाखा के पदाधिकारी, विभिन्न सभा संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन ज्योति पोद्दार ने किया। सचिव शीतल अग्रवाल ने धन्यवाद दिया।



## जीवन के आधार हैं अहिंसा, तप और संयम : मुनिश्री विनीत कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर की सदस्यों ने रविवार को मंड्या में विराजित मुनिश्री विनीत कुमार जी, आकाश कुमार जी, हितेंद्र कुमार जी एवं पुनीत कुमार जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया तथा मुनिश्री हितेंद्र कुमार जी के

3800वें एंकांतर तप की अनुमोदना की। इस मौके पर मुनिश्री ने कहा कि अहिंसा, तप और संयम जीवन के तीन मुख्य आधार हैं। मुनिश्री ने समता का महत्व बताते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में समता की साधना करनी चाहिए जिससे अशुभ कर्मों का क्षय होता है।

हमारे भाव शुद्ध होने चाहिए। विजयनगर महिला मंडल की अध्यक्ष महिला पटवारी ने मंडल के कार्यों की जानकारी दी।

## कर्नाटक से राज्यसभा की चार सीट के लिए पांच उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए

बेंगलूरु। कर्नाटक से राज्यसभा की चार सीट के लिए 18 जून को होने वाले चुनाव के तहत नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन सोमवार तक पांच उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। कर्नाटक विधानसभा के सदस्य विधान सौधा में मतदान करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद इराणा कडाडी और नारायण कोरगप्पा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरेगे तथा जनता दल-(एस) के नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौडा का कार्यकाल 25 जून को समाप्त होगा, इसलिए यह चुनाव आवश्यक हो गया है।

नामांकन दाखिल करने वाले पांच उम्मीदवारों में फिर से चुनाव लड़ रहे कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरेगे, अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) के सचिव मंसूर अली खान और पार्टी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेडा, भाजपा उम्मीदवार एम नारायण तथा कोडगु जिले के निर्दलीय उम्मीदवार बोजन्ना सोमैया शामिल हैं। भाजपा उम्मीदवार नारायण ने पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येडीयुरप्पा, भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और अन्य नेताओं की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन पत्रों की जांच नौ जून को होगी। उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तारीख 11 जून है, जबकि मतदान के बाद मतगणना 18 जून को होगी। विधानसभा में मौजूदा संख्या बल को देखते हुए सत्तारूढ़ कांग्रेस के चार में से तीन सीट जीतने की संभावना है।



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## दुर्घट

राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट बेंगलूरु द्वारा दानदाताओं के सहयोग से मोक्षरथ मोक्षवाहिनी निःशुल्क अंतिम यात्रा सेवा बेंगलूरु में संचालित है। इस वर्ष ट्रस्ट अपने रजत जयंती वर्ष पर विराट हास्य कवि सम्मेलन का भी आयोजन कर रहा है। शहर के मारुति मेडिकल के प्रमुख महेन्द्रकुमार हंसराज आनन्द मुणोणे ने एक वर्ष के लिए मोक्षरथ के रखरखाव करने का लाभ लिया। ट्रस्ट के अनिल सकलेवा, कैलाश संखलेवा, महावीर मेहता, भोपाल सोनवाड़िया, मनोज बाफना, दिनेश लोढा आदि ने मुणोत परिवार का सम्मान किया।



## विनोद कोठारी बने तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु के अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर की 43वीं वार्षिक साधारण सभा अध्यक्ष प्रसन्न धोका की अध्यक्षता में आयोजित हुई। अध्यक्ष प्रसन्न धोका ने सभी का स्वागत किया। जितेन्द्र चोपड़ा ने आय व्यय की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

प्रदीप चोपड़ा ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद

के संगठन मंत्री रोहित कोठारी की उपस्थिति में आयोजित निर्वाचन प्रक्रिया में सत्र 2026-28 के लिए चुनाव अधिकारी विनय बैद एवं सहचुनाव अधिकारी रजत बैद ने सर्वसम्मति से विनोद कोठारी को तेरापंथ बेंगलूरु का अध्यक्ष मनोनीत किया। कोठारी ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए गुरु आज्ञा में सबको साथ लेकर कार्य करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी जनों ने नए अध्यक्ष का स्वागत किया। सभा का संचालन प्रदीपकुमार चोपड़ा ने किया।



## 'कांफ़ी विद जीतो 5.0' में जीतो की गतिविधियों पर विस्तार से हुई चर्चा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) नार्थ द्वारा रविवार को जीतो कार्यालय में 'कांफ़ी विद जीतो 5.0' कार्यक्रम आयोजित हुआ। सदस्यों ने आपसी पूर्ण अपेक्ष मंत्री संजय धारीवाल ने सदस्यों को विभिन्न अवसरों पर चर्चा की।

फिर जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संगठन निरंतर विस्तार की दिशा में अग्रसर है तथा शीघ्र ही गांधीनगर में नए जीतो कार्यालय का शुभारंभ किया जाएगा। पूर्व अपेक्ष मंत्री संजय धारीवाल ने सदस्यों को आपस में जोड़ने और संगठन की गतिविधियों से परिचित कराने के लिए कांफ़ी विद जीतो को एक महत्वपूर्ण मंच बताया। कार्यक्रम का संचालन जेबीएन संयोजक मदन मुणोत ने किया। संयोजक दिनेश लोढा ने उद्देश्य बताया। सहसंयोजक विनोद मंडावत ने सभी गतिविधियों, परियोजनाओं एवं समाजहित में